आर.एन.आई. नं. 45080/85, पी.ओ. रजि.नं. मालवा डिवी./04/2024-26

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

महाशिवरात्री की हार्दिक शुभकामनाएं

संस्थापक : स्व. श्री गोवर्धनलालजी मेहता | वर्ष 39 अंक 199 | इंदौर, रविवार 15 फरवरी, 2026 | फाल्गुन कृष्ण 13 संवत् 2082 | पृष्ठ-12 मूल्य-3.00 | www.awantika.com

श्री महाकालेश्वर दर्शनार्थी सेवा फाउंडेशन

श्रीमती कलावती यादव
सभापति, उज्जैन नगर पालिक निगम

श्री अभय यादव जी
समाजसेवी

डॉ. मोहन यादव जी
मुख्यमंत्री

महाशिवरात्रि

के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएँ

भजन | महाप्रसादी

दिनांक : रविवार, 15 फरवरी 2026
समय : सुबह 11:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक
पता : निर्माणाधीन SDO ऑफिस एवं तपोभूमि ब्रिज के पास, देवास-बदनावर हाईवे रोड, उज्जैन

श्री नारायण यादव जी
वरिष्ठ समाजसेवी, मार्गदर्शक

मुख्य आकर्षण
- भजन कार्यक्रम
- महाप्रसादी

आप सपरिवार श्री महाकालेश्वर एवेन्यू
में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर सादर आमंत्रित हैं।।

संतोष चौहान जी
अध्यक्ष
श्री महाकालेश्वर दर्शनार्थी सेवा फाउंडेशन

समस्त नगरवासियों महाशिवरात्रि महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं...

A LUXURY AVENUE RESIDENTIAL TOWNSHIP

आपके लिए फूलों से सजी एक सुंदर खुशियां जहां प्रकृति के बीच और आधुनिक सुख सुविधाओं के साथ आपके परिवार की खुशियां तपोभूमि के नजदीक हाईवे रोड पर स्थित जहां एक शानदार लाईफ स्टाइल कुछ चुनिंदा परिवारों के लिए रेसिडेंशल प्लॉट, डुप्लेक्स, बंगलो की डिजाइन की गई है
आपका अपना प्लॉट, डुप्लेक्स, बंगलो आपके बजट में...

महाशिवरात्रि महापर्व महाऑफर

COMING SOON...
आपका घर अब आपके बजट में

श्री महाकालेश्वर एवेन्यू

राधो पिपलिया, तपोभूमि चौराहा, ब्रिज के पास, देवास-बदनावर हाईवे रोड, उज्जैन

प्लॉट साइज
600 स्के.,
800 स्के व
1000 स्के. फीट

प्रकृति की गोद में सर्वसुविधायुक्त आवासीय टाऊनशिप
• गार्डन • अंडर ग्राउंड इलेक्ट्रिसिटी • सीसीटीवी कैमरा • सिक्यूरिटी गार्ड
कॉलोनी के नजदीक स्कूल, कॉलेज, हॉस्पिटल, होटल, पेट्रोल पंप, 24 घंटे वाहन सुविधा

लोकेशन पर जाएं और फिडबेक दें
साथ ही निश्चित उपहार ले जाएं

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें : 7000649869, 6264488901, 7869013317

श्री महाकालेश्वर
ग्रीन विला फार्म्स

प्रकृति की गोद में अपने सपनों का फार्म हाउस लेंड

सिंहस्थ महाकुंभ की कर लो तैयारी....

ऐसा निवेश जहां फार्म हाउस भी आपका...पजेशन भी आपका और असीमित आय भी आपकी?
वीकेंड होम्स का आनंद भी आपका

रजिस्ट्री फ्री

श्री महाकालेश्वर ग्रीन विला फार्म्स

ग्राम जमालपुरा, इंदौर-उज्जैन रोड, निनोरा टोल नाके के पास, उज्जैन (म.प्र.)

हर बुकिंग पर विशेष उपहार भी साथ ले जाए

मात्र 951/- स्के.फीट में
आसान किस्तों में पाए...

प्रकृति की गोद में सर्वसुविधायुक्त विला फार्म्स लेंड आपके लिए उज्जैन के नजदीक

9755228484
6263533549

बढ़ती बिजली के बिल से हैं परेशान?
तो फोन लगाएं श्रीमान
9713109194
Finance Available

KUSH
Solar Power Infra Pvt.Ltd.

सभी प्रकार के सोलर प्रोडक्ट एवं इंस्टॉलेशन सुविधा उपलब्ध
KUSH SOLAR POWER INFRA PVT. LTD

उज्जैन ऑफिस - 4/4, महाकाल वाणिज्य केंद्र, नानाखेड़ा बस स्टेण्ड के पास, उज्जैन ग्राम जमालपुरा, इंदौर उज्जैन रोड, टोल नाके के पास, उज्जैन
इन्दौर ऑफिस - 404, अलंकार पाईंट, गीता भवन चौराहा, एबी रोड, इन्दौर

महाकाल श्रृंगार

शिव नवरात्रि पर शुक्रवार को भगवान महाकाल का उमा महेश स्वरूप में श्रृंगार किया गया।

हादसे के बाद भी नहीं आई गंभीरता...

हमारी आदत है कि हम सांप निकलने के बाद लाठी पीटते हैं। वो भी मसानिया संकल्प के साथ। वक्त के साथ संकल्प गायब हो जाता है। नीमच के पास मधुमक्खियों के हादसे में कंचनबाई बच्चों को बचाने में शहीद हो गई । इस हादसे ने यह तय किया था कि आंगनवाडी,प्राथमिक एवं अन्य विद्यालय भवनों के पास वृक्षों पर मधुमक्खियों के छत्ते खतरे की घंटी बजा रहे हैं। इनसे कभी भी हादसा होना संभावित है। इस घटना से भी हमने सबक नहीं लिया है। अभी भी ग्रामीण क्षेत्रों में आंगनवाडी,प्राथमिक,माध्यमिक के साथ अनेक ऐसे स्थलों के आसपास वृक्षों पर मधुमक्खियों के बडे झबडे छत्ते लटक रहे हैं। गर्मी के दिनों में छत्तों में गर्माहट के चलते ये टपकते हैं और गिरते हैं ऐसे में इनसे मधुमक्खियां भी जमकर उडती है। पुराने समय में तो गर्मी के दो ढ्तीन माह बच्चों की छुट्टी होती थी लेकिन अब ऐसा नहीं है। पूरे अप्रेल माह में स्कूल लगेंगे। मात्र मई-आधा जून छुट्टियां रहेगी। इसे जानते एवं देखते हुए भी न तो इस मामले में जिम्मेदार विभागीय के जिला, संभागीय एवं प्रदेश स्तरीय अधिकारी ही तत्काल ही इस मामले में सुरक्षात्मक कदम उठाने के लिए तैयार हैं। मात्र नीमच ही नहीं आसपास के जिलों में भी अनेक स्थानों पर ऐसे हाल अब भी कायम हैं। इसे लेकर ग्रामीणजनों एवं पालकों को भी नजरअंदाज किया जा रहा है। खुसूर-फुसूर है कि हादसों में आमजन को प्रभावित होना पडता है। उनका परि-वार इससे प्रभावित होता है और उन्हें असमय ही कई ऐसे दु:खों से जुझना पडता है जो संभवत: उनके लिए नहीं थे। कई छोटे मोटे हादसे तो मात्र कर्मचारियों,अधिकारियों की नजरअंदाजी एवं लापरवाही से ही हो रहे हैं। इस व्यवस्था में सुधार तब तक नहीं हो सकता जब तक सांप निकल जाने के बाद लाठी पिटने की मानसिकता को त्यागा नहीं जाएगा।

ट्रैंडिंग

लावारिस हालत में पड़े यातायात प्रीपेड बूथों का हो रहा गलत उपयोग

एक बूथ बना कटिंग की दुकान और दूसरा पेशाबघर

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

शहर की ट्रैफिक व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए कई जगह यातायात विभाग द्वारा प्रीपेड बूथ रखे गए हैं और इनमें यातायात जवानों की तैनाती की गई है। लेकिन कई जगह लावारिस हालत में पड़े प्रीपेड बूथ का गलत इस्तेमाल हो रहा है। देवास गेट क्षेत्र में रखे यातायात के बूथ में कटिंग की दुकान का संचालन हो रहा है तो वहीं माधव नगर रेलवे स्टेशन परिसर में रखा प्री-पेड बूथ पेशाब घर बन गया है। यहां रखे बूथ का उपयोग बाथरूम के रूप में किया जा रहा है। लोगों ने इसके अंदर पेशाब कर इसे पूरा गंदा कर दिया है। लेकिन उसके बाद भी इस और किसी का ध्यान नहीं है।

शहर की ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए जिन क्षेत्रों में यातायात का अधिक दबाव रहता है उन क्षेत्रों में यातायात प्रीपेड बूथ स्थापित किए गए थे और कई जगह यातायात प्रीपेड बूथ रखे गए हैं। इन बूथ में यातायात पुलिस के जवान तैनात किए गए थे ताकि शहर की यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित होती रहे। लेकिन कई जगह रखें यातायात बूथ लावारिस हालत में पड़े हैं जिनका लोग गलत इस्तेमाल कर रहे हैं कुछ बूथ का उपयोग दुकान के रूप में किया जा रहा है। देवास गेट क्षेत्र में रखे यातायात बूथ पर कटिंग की दुकान का संचालन हो रहा है तो वही माधव नगर रेलवे स्टेशन के बाहर रखे प्रीपेड बूथ पेशाब घर बन गए हैं लोग इसके अंदर पेशाब कर रहे हैं और आसपास गंदगी फैली हुई है। स्मार्ट सिटी योजना के तहत कई निर्माण कार्य शहर में किया जा रहे हैं तथा शहर को संवारने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। लेकिन अनदेखी की वजह से शहर की सुंदरता उजड़ रही है। शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कई जगह सिग्नल लगाए गए हैं वहीं प्री-पेड बूथ रखे गए हैं लेकिन अनदेखी की वजह से इनका गलत उपयोग हो रहा है।

यातायात जवानों की खल रही कमी

इस बारे में विभाग के कुछ लोगों का कहना है कि यातायात पुलिस की कमी की वजह से यह स्थिति बनी हुई है। कई जगह लगाए गए बूथ पर अभी भी ताले लगे हुए हैं। यातायात जवानों की संख्या कम होने की वजह से कई बूथ लावारिस हालत में पड़े हैं। पिछले कई समय से यातायात विभाग में जवानों का टोटा है। शहर का क्षेत्रफल बढ़ गया है। वही महाकाल लोक बनने के बाद शहर के सभी मार्गों पर यातायात का अधिक दबाव रहता है ऐसे में यातायात जवानों की कमी की वजह से शहर की यातायात व्यवस्था नहीं सुधार पा रही है।

व्यापक एवं कडी सुरक्षा के साथ प्रशासनिक व्यवस्था की गई, 40 मिनट में दर्शन की तैयारी, रेलवे ने स्पेशल ट्रेनें चलाने की योजना तय की,10 लाख श्रद्धालुओं का आगमन संभावित

महाशिवरात्रि के लिए उज्जैन तैयार, श्रद्धालुओं का इंतजार

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

भगवान श्री महाकालेश्वर के मंदिर में शिवनवरात्रि का पर्व बडी ही धूमधाम एवं विधिविधान के साथ मनाया जा रहा है।अष्टम दिवस शुक्रवार को मंदिर में संध्या आरती से पूर्व भगवान को आकर्षक एवं मनमोहक उमा महेश स्वरूप में श्रृंगारित किया गया। महाशिवरात्रि पर करीब 10 लाख श्रद्धालुओं का आगमन संभावित है। सुरक्षा से लेकर मंदिर व्यवस्था एवं प्रशासन को श्रद्धालुओं के आगमन का इंतजार है। इस दौरान 40 मिनिट में दर्शन की व्यवस्था की गई है।

श्री महाकालेश्वर मंदिर में शिवनवरात्रि पर्व का उत्साह देखते ही बन रहा है। मंदिर की आकर्षक विद्युत सजावट देखते ही बन रही है। इसके साथ ही भगवान के श्रृंगार को देखकर श्रद्धालु मोहित हुए बगैर नहीं रह पा रहे हैं। मंदिर में गूंज रहे शिव मंत्रों से भक्त अभिभूत हो रहे हैं। मंदिर प्रबंधन ने श्रद्धालुओं के दर्शन की व्यापक व्यवस्था को अंजाम दिया है। इसकी तैयारी पूरी हो चुकी है। मंदिर में श्रद्धालुओं को सुरक्षित रूप से जल्द दर्शन हो इस बार इस तरह की योजना पर काम किया जा रहा है।

दो दिन में 10 लाख आएंगे

मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक प्रथम कौशिक के अनुसार वैसे तो महाशिवनवरात्रि के पूरे उत्सव समय में करीब 25-35 लाख श्रद्धालुओं के भगवान के दर्शनों के लिए आगमन की स्थिति रहेगी,लेकिन महाशिवरात्रि के दो दिन 15-16 फरवरी को 10 लाख श्रद्धालुओं के आगमन के मान से हमने व्यवस्थाओं को जुटाया है और पुख्ता किया है। हमारा प्रयास है कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और वे सहजता से भगवान का दर्शन कर आध्यात्मिक अनुभूतियों के दर्शन की स्मृतियों को सहेजें।

40 मिनिट में दर्शन

पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा के जारी विडियों बयान में उन्होंने बताया है कि महाशिवरात्रि पर आने वाले श्रद्धालू के लिए व्यापक पार्किंग एवं डायवर्शन प्लान बनाया गया है। इसे सोश्यल मिडिया पर साझा किया गया है। शहर में बडे-बडे फ्लेक्स ,बोर्ड लगाए गए हैं। कर्कराज एवं कार्तिक मेला ग्राउंड पर पार्किंग कर श्रद्धालू दर्शन के लिए दिशा निर्देश अनुसार पहुंचें। हमने 40 मिनिट से कम में दर्शन की व्यवस्था की है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए 200 सीसी टीवी कैमरा,5 ड्रोन कैमरा एवं 150 महिला पुलिस कर्मियों को लगाया गया है। श्रद्धालू आए और सुगमता के साथ भगवान के दर्शन करें।

श्री उमामहेश स्वरूप में दर्शन

श्री महाकालेश्वर मंदिर में चल रहे शिवनवरात्रि महोत्सव के दौरान अष्टम दिवस शुक्रवार फाल्गुन कृष्ण एकादशी के शुभ दिन सांध्य पूजन के पश्चात भगवान श्री महाकालेश्वर एवं माँ भगवती पार्वती ने सभी भक्तों को श्री उमा-महेश स्वरूप में दर्शन दिए । इस दौरान दर्शन के

लिए पहुंचे श्रद्धालुओं ने श्री महाकालेश्वर भगवान के श्री उमामहेश स्वरुप के दर्शन कर मंदिर का सम्पूर्ण प्रांगण जय श्री महाकाल के जयकारों से गुंजायमान कर दिया। इससे पूर्व प्रातः श्री महाकालेश्वर मंदिर के नेवैद्य कक्ष में भगवान श्री चन्द्रमौलीश्वर का पूजन किया गया । कोटितीर्थ कुण्ड के पास स्थापित श्री कोटेश्वर महादेव के पूजन के पश्चात मुख्य पुजारी पं. घनश्याम शर्मा के आचार्यत्व में 11 ब्राह्मणों द्वारा श्री महाकालेश्वर भगवान का अभिषेक एकादश-एकादशनी रूद्रपाठ से किया गया ।संध्या पूजन के पश्चात बाबा श्री महाकालेश्वर व उमा माता जी को नए वस्त्र धारण करवाये गये, साथ ही भगवान श्री महाकालेश्वर के श्री उमामहेश स्वरूप का श्रृंगार कर बाबा को मुकुट, मुण्ड माला एवं फलों की माला धारण करायी गयी।

कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारी

महाशिवरात्रि पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचेंगे। श्रद्धालुओं की सुविधा और व्यवस्थाओं के लिए कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने अधिकारियों की ड्यूटी लगाई है। जारी आदेश अनुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक शर्मा को श्री महाकालेश्वर मंदिर, पार्किंग स्थल, भीड़ प्रबंधन व यातायात की संपूर्ण व्यवस्था, आयुक्त नगर निगम अभिलाष मिश्रा को श्री महाकालेश्वर मंदिर के बाहरी क्षेत्र में साफ-सफाई व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, अतिक्रमण हटाने, फायरब्रिगेड की व्यवस्था, उज्जैन विकास प्राधिकरण सीईओ संदीप सोनी को अस्थाई जूता स्टैंड संचालन व्यवस्था, वन मंडल अधिकारी अनुराग तिवारी को श्री महाकालेश्वर मंदिर व बाह्य परिक्षेत्र, पार्किंग क्षेत्र में बंदरों की रोकथाम, मधुमक्खी के छत्ते हटाने की कार्यवाही करने, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी संतोष मालवीय को परिवहन व्यवस्था, डिविजनल कमाण्डेन्ट होमगार्ड आर.के.पाठक को रामघाट ,नृसिंह घाट, पैदल पुल पर पर्याप्त संख्या में तैराकों, लाइफ जेकेट, मोटर बोट की व्यवस्था के साथ मंदिर परिक्षेत्र में नगर सैनिकों की व्यवस्था करने, एसडीएम लक्ष्मीनारायण गर्ग, एसडीएम कोठी महल श्री पवन बारिया, एसडीएम कृतिका भीमावद को शांति एवं कानून व्यवस्था की संपूर्ण जिम्मेदारी व समस्त विभागों से आवश्यक व्यवस्था के लिए समन्वय करने, एसडीएम घट्टिया राजाराम करजरे को दर्शन व्यवस्था का समन्वय करने, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल को श्री महाकालेश्वर मंदिर के प्राथमिक चिकित्सा केंद्र में पर्याप्त चिकित्सा व्यवस्था, पेरामेडिकल स्टॉफ, औषधि एवं आपातकालीन तैयारियों की व्यवस्था करने के लिए ड्यूटी निर्धारित की है।

उज्जैन-भोपाल के मध्य तीन जोड़ी मेला स्पेशल ट्रेनें

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के अंतर्गत उज्जैन एवं सीहोर क्षेत्र में महाशिवरात्रि के अवसर पर रेलवे स्टेशनों पर आने वाली अतिरिक्त यात्री भीड़ को समायोजित करने हेतु उज्जैन-भोपाल के मध्य तीन जोड़ी मेला स्पेशल ट्रेनों के संचालन का निर्णय लिया गया है। मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार के अनुसार 13 फरवरी से स्पेशल ट्रेनों का संचालन शुरू कर दिया गया है।

1. गाड़ी संख्या 09305/09306 उज्जैनझ्रसंत हिरदाराम नगरझ्रउज्जैन मेला स्पेशल गाड़ी संख्या 09305 उज्जैनझ्रसंत हिरदाराम नगर मेला स्पेशल शुक्रवार 13 फरवरी से 22 फरवरी, 2026 तक उज्जैन से प्रतिदिन 09.00 बजे प्रस्थान कर उसी दिन 13.30 बजे संत हिरदाराम नगर पहुँचेगी। इसी प्रकार, गाड़ी संख्या 09306 संत हिरदाराम नगरझ्रउज्जैन मेला स्पेशल दिनांक 13 फरवरी, 2026 से 22 फरवरी, 2026 तक संत हिरदाराम नगर से प्रतिदिन 14.30 बजे प्रस्थान कर उसी दिन 19.30 बजे उज्जैन पहुँचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में तराना रोड, मक्सी, बेरछा, कालीसिंध, अकोदिया, शुजालपुर, कालापीपल एवं सीहोर स्टेशनों पर ठहरेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09307/09308 उज्जैनझ्रभोपालझ्र उज्जैन मेला स्पेशल गाड़ी संख्या 09307 उज्जैनझ्र भोपाल मेला स्पेशल दिनांक 13 फरवरी, 2026 से 22 फरवरी, 2026 तक उज्जैन से प्रतिदिन 21.00 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 02.10 बजे भोपाल पहुँचेगी। इसी प्रकार, गाड़ी संख्या 09308 भोपालझ्रउज्जैन मेला स्पेशल दिनांक 14 फरवरी, 2026 से 23 फरवरी, 2026 तक भोपाल से प्रतिदिन 03.10 बजे प्रस्थान कर उसी दिन 08.00 बजे उज्जैन पहुँचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में तराना रोड, मक्सी, बेरछा, कालीसिंध, अकोदिया, शुजालपुर, कालापीपल, सीहोर एवं संत हिरदाराम नगर स्टेशनों पर ठहरेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09313/09314 उज्जैनझ्रसंत हिरदाराम नगरझ्रउज्जैन मेला स्पेशलगाड़ी संख्या 09313 उज्जैनझ्रसंत हिरदाराम नगर मेला स्पेशल दिनांक 13 फरवरी, 2026 से 22 फरवरी, 2026 तक उज्जैन से प्रतिदिन 16.00 बजे प्रस्थान कर उसी दिन 21.40 बजे संत हिरदाराम नगर पहुँचेगी। सी प्रकार, गाड़ी संख्या 09314 संत हिरदाराम नगरझ्रउज्जैन मेला स्पेशल दिनांक 13 फरवरी, 2026 से 22 फरवरी, 2026 तक संत हिरदाराम नगर से प्रतिदिन 22.30 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 02.00 बजे उज्जैन पहुँचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में तराना रोड, मक्सी, बेरछा, कालीसिंध, अकोदिया, शुजालपुर, कालापीपल, एवं सीहोर स्टेशनों पर रुकेगी। इन मेला स्पेशल ट्रेनों में सामान्य एवं स्लीपर श्रेणी के कोच लगाए जाएंगे।

करीब 2 हजार कर्मचारी संभालेंगे सुरक्षा: मंदिर में दर्शन से लेकर यातायात व्यवस्था तक के लिए शहर में शनिवार से ही पुलिस की तैनाती की जाने वाली है। सामने आ रहा है कि इसमें करीब 2 हजार पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी व्यवस्था संभालने के लिए लगाए जाएंगे। करीब 250 पुलिस कर्मचारी यातायात की व्यवस्था के लिए ही लगाए जाना सामने आ रहा है। मंदिर में श्रद्धालुओं की दर्शन व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था के लिए करीब 1200 से अधिक कर्मचारी तैनात किए जाएंगे है।

उपहार की दरकार नहीं रखता प्रेम का पर्व वेलेंटाइन डे

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

(पं राहुल शुक्ल)

पूरे विश्व मे चौदह फरवरी वेलेंटाइन डे के रूप मे मनाया जाता है। प्रेम वैसे तो किसी प्रकार के उपहार या ग्रीटिंग कार्ड की दरकार नही रखता ये तो एक अन्तरर्निहित भाव है जो ह्रदय को झंकृत करता है। एक प्यार करनेवाले के शरीर मे प्रेम के हार्मोंस जब स्त्रावित होते हैं तो किसी विशेष व्यक्ति या प्राणी मात्र के लिए प्रेम की तरंगे उत्पन्न होकर उसके प्रति अगाध स्नेह का मोहपाश पैदा कर देती है। इस मोहपाश मे जब दो आत्माएं बंध जाती हैं तो आतंरिक अनुभूति को सिर्फ महसूस ही किया जा सकता है उसको शब्दों मे बयां नही किया जा सकता। ये एक आंतरिक प्रफुल्लता व संतोष की अनुभूति कराता है। पूरी दुनिया को भूलकर दो प्रेमी अपने आपसी संबंधो की प्यारभरी दुनिया मे रम जाते हैं तो उनको कितनी खुशी मिलती है ये सिर्फ प्रेमी ही जानते हैं। प्रेम की पहली सीढ़ी है आकर्षण। ये आकर्षण रूप - रंग, पद या बौद्धिक कुछ भी हो सकता है।दो लोगों के विचार मिलने पर भी प्रेम उत्पन्न हो जाता है। पवित्र प्रेम भौतिक वस्तुओ से सर्वदा अलग होता है। ये व्यक्ति को आत्मिक आनंद देता है जिसे अंग्रेजी मे प्लेजर कहा गया है। प्रेम समर्पण व त्याग मांगता है। स्वार्थी व्यक्ति कभी प्रेम कर ही नही सकता। प्यार मे बहुत समर्पण चाहिए। अपने साथी की इच्छा या आवश्यकता को महत्व देकर बहुत से त्याग करने पडते हैं। दो लोगो की आदत, गुण, पसंद अलग अलग हो सकती हैं फिर भी उनमे प्रेम हो जाता है क्योंकि उनमे समझौतावादी भावना होती है और एक दूसरे के सम्मान के भाव होते हैं। दूसरे की पसंद को सम्मान देनेवाला ही प्रेम के बीज के द्वारा एक विशाल वृक्ष का सृजन करता है। अहं या इगो प्रेमी लोगो की दुनिया मे नही होते। किसी की भावना का ध्यान न रख कर उसे दबा देने से प्रेम कभी हो नही सकता। प्रेम के सागर का आवश्यक तत्व विश्वास भी है। प्रेम करनेवालो के संसार मे अविश्वास नामक कोई चीज नही होती है। दो प्यार करनेवालो के बीच की मजबूत डोर विश्वास ही है। प्रेमी आंख मूंदकर एक दूसरे पर विश्वास करते हैं। प्रेम की मंजिल विवाह ही नही होती । विवाह न होने पर भी त्याग को सर्वोपरी रखकर प्रेमी अपने प्रियतम की खुशहाली की ही कामना करता है। प्रेम करनेवाले एकदूसरे का समय जरूर चाहते हैं। समय न देने की दशा मे अलगाव व विलग होने की प्रत्याशा बढ जाती है। आज के दौर मे जब व्यस्त दिनचर्या के चलते लोगो के पास समय की कमी है तो परिणाम भी सुखद नही आ पा रहे हैं। प्रेम के आवरण के नीचे खोखले रिश्ते ज्यादा समय टिक नही पा रहे हैं और रिश्ते दरक कर अलगाव करा रहे हैं। प्रेमी कभी भी धन, वैभव या विलासिता की दुनिया नहीं चाहते। दो प्यार करनेवाले सिर्फ कीमती समय, सम्मान, समर्पण व सहानुभूति चाहते हैं। इस दिन हम अपने प्रेमी को भरपूर प्यार दें और उसके साथ सम्मान का व्यवहार रखें। यदि समर्पण व त्याग रखा गया तो प्रेम का विस्तार होगा जो सभी तरफ से सकारात्मक तरंगो का सूत्रपात करेगा जिससे जीवन आनंददायी और सुखद बना रहेगा। प्यार ईश्वर का सर्वोत्तम उपहार है जिसका आनंद रसपान करने का सभी को अधिकार है पर इसके लिए हमे होना पडेगा समझौतावादी, उदार , सदाशयी, विनम्र ,त्यागी, संयमी व धैर्यवान। ईश्वर के इस सर्वश्रेष्ठ उपहार को पाने के लिए हमारे अंदर इतनी शुचिता व पवित्रता होगी तभी तो ये प्रेमरूपी उपहार हमे परमपिता देगा।

वसंत पंचमी हमारा सनातनी वैलेंटाइन डे

सनातन संस्कृति मे प्रेम को बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। सनातन धर्म मे बकायदा प्रेम के देवता हैं मदन, जिन्हे कामदेव कहा गया है। कामदेव व रति का प्रेम प्रसिद्ध है। जब प्रकृति पूरे शबाब पर होती है तब कामदेव पृथ्वी पर प्रेम का तीर संधान करके छोडते हैं और पृथ्वी पर प्रेम का उद्भव पूरे जोर शोर से हो उठता है। मान्यतानुसार वसंत ऋतु मे प्रकृति अपने यौवन पर होती है तब वसंत पंचमी के दिन कामदेव की पूजा विधि-विधान से की जाती है इसलिए वसंत पंचमी को मदनोत्सव भी कहा गया है। अतः वसंत पंचमी सनातन धर्म का अतिप्राचीन वैलेंटाइन डे ही है। देश व काल की भिन्नता हो सकती है पर प्रेम का पावन पर्व सभी स्थानो पर मनाने की परंपरा सदैव रही है। शिव व उमा का प्रेम तो अटल व शाश्वत है जो सदैव प्रेम मे रत रहने की प्रेरणा देता है।

न्यूज ब्रीफ

7 दिन बाद बेऊर जेल से बाहर निकले पप्पू यादव

पटना। पूर्णिया सांसद पप्पू यादव को शुक्रवार को कोर्ट ने तीन मामलों में बेल दे दी। शाम करीब 6 बजे वे बेऊर जेल से बाहर आ गए। कोर्ट ने जमानत देते हुए आदेश दिया कि जब भी मामले की सुनवाई होगी तो उन्हें सशरीर उपस्थित होना होगा। जेल से बाहर आने के बाद पप्पू यादव ने कहा, ह्यसच बोलना इतना तकलीफदेह होगा कि कोर्ट और थाने के चक्कर काटने पड़ेंगे। ये मुझे नहीं पता था।

मुझे नहीं पता कि प्रशासन ने ऐसा क्यों किया। सरकार में एक दो लोग हैं जिन्होंने बदमाशी की है। ... एक दिल्ली के नेता, एक बिहार के नेता और एक पूर्णिया के नेता की ये साजिश थी।

खेमका हत्याकांड में जो एनकाउंटर हुआ वो गलत बच्चे का हुआ। हमें वो गवाही मिल गई है। बच्चों को 4 बजे निकालकर गोली मारी गई। मैं हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक जाऊंगा और केस लड़ूंगा। वहीं देर शाम पप्पू यादव फुलवारीशरीफ पहुंचे, यहां उन्होंने कोचिंग सेंटर की छत से गिरने वाली छात्रा पिंकी कुमारी के परिजनों से मुलाकात की। सांसद से छात्रा के परिजनों ने कहा कि बेटी को पहले बेरहमी से मारा गया, फिर ऊपर से नीचे फेंक दिया। पप्पू यादव ने कहा कि दिल्ली जाकर सबसे पहले स्पीकर से मिलेंगे। इसके बाद डॉक्टर से मिलेंगे। इस बच्ची के न्याय के लिए कुछ भी करूंगा। इस मामले में स्पीडि ट्रायल होना चाहिए। इस परिवार के परिवरिश के लिए हम जिम्मेदारी लेंगे।

ट्रेन-गाड़ियां साथ चलेंगी, 18662 करोड़ लागत वाली टनल को कैबिनेट की मंजूरी

ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे देश की पहली रोड-कम-रेल टनल बनेगी

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शनिवार को कैबिनेट मीटिंग में असम में ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे देश की पहली रोड-कम-रेल टनल समेत फोर लेन एक्सेस-कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड कॉरिडोर को मंजूरी दी गई। इसकी कुल लागत 18,662 करोड़ होगी। यह भारत की पहली और दुनिया की दूसरी अंडरवॉटर रोड-कम-रेल टनल परियोजना होगी, जिसमें एक ही सुरंग में रोड और रेल लाइन होगी। ट्रेन और गाड़ियां एक साथ चलेंगी। इसे इंजीनियरिंग-प्रोक्योरमेंट-कंस्ट्रक्शन मॉडल पर विकसित किया जाएगा।

नोएडा मेट्रो का 11.56 किमी विस्तार मंजूर

केंद्र सरकार ने नोएडा मेट्रो रेल परियोजना के तहत सेक्टर-142 से बॉटनिकल गार्डन तक 11.56 किमी लंबे विस्तार कॉरिडोर को मंजूरी दी है। इसमें 8 एलिवेटेड स्टेशन होंगे। प्रोजेक्ट के शुरू होने के बाद नोएडा-ग्रेटर नोएडा का मेट्रो नेटवर्क 61.62 किमी लंबा हो जाएगा। इससे बॉटनिकल गार्डन पर ब्लू लाइन और मैजेंटा लाइन से इंटरचेंज की सुविधा होगी। व्यावसायिक और शैक्षणिक क्षेत्रों से सीधा जुड़ाव होगा। ट्रैफिक में कमी आएगी।

1 लाख करोड़ का अर्बन चैलेंज फंड मंजूर

कैबिनेट मीटिंग में शहरी अवसंरचना को बढ़ावा देने के लिए 1 लाख करोड़ की केंद्रीय सहायता वाले अर्बन चैलेंज फंड को मंजूरी दी है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि यह योजना 2025-26 से 2030-31 तक लागू होगी। छोटे शहरों के लिए 5,000 करोड़ की क्रेडिट रिपेमेंट गारंटी योजना को भी मंजूरी मिली है।

मोदी वायुसेना के एयरक्राफ्ट से असम के हाईवे पर उतरे

एजेंसी ▸▸ गुवाहाटी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को असम दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने गुवाहाटी में कहा- कांग्रेस ने देश को खतरे में डालकर रखा था। कांग्रेस ने जब भी सेना के लिए हथियार खरीदे, उसका मतलब हजारों करोड़ का घोटाला था। उन्होंने कहा- आज की कांग्रेस ऐसे लोगों और विचारों का साथ दे रही है जो देश के खिलाफ सोचते हैं। जो लोग देश को तोड़ने की बात करते हैं या ऐसे नारे लगाते हैं, वे कांग्रेस के लिए सम्मानित बन गए हैं।

पीएम मोदी के भाषण की खास बातें

कांग्रेस के समय असम को पाई-पाई के लिए तरसाया जाता था। तब टैक्स के हिस्से के रूप में सिर्फ 10 हजार करोड़ रुपए मिलते थे। भाजपा की सरकार में 5 गुना ज्यादा मिल रहे हैं। जब मैं प्लेन से मोरन हाईवे पर उतरा तो नया इतिहास बन गया। कभी नार्थ ईस्ट का नाम आते ही लोग सोचते थे कि छोड़ो टूटी सड़क मिलेंगी तो कब ही पहुंचेंगे। आज यहां हाईवे पर हवाई जहाज भी लैंड करते हैं। भाजपा सरकार ने 10 साल में ब्रह्मपुत्र पर 5 बड़े पुल बनाए। कांग्रेस की 70 साल की सत्ता में 3 पुल बने। यह बताता है कि कांग्रेस ने असम को समस्या दी और हमने समाधान दिए।

मध्यप्रदेश, यूपी और राजस्थान समेत 5 राज्यों में पारा 30 डिग्री पार

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

देश के पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में 13 से 16 फरवरी तक दो विस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हैं। इससे अगले दो दिन में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में पहाड़ों पर बारिश-बर्फबारी के आसार हैं। वहीं मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ में दिन का तापमान 30 डिग्री के पार हो चुका है। मध्य प्रदेश में शुक्रवार को 15 से ज्यादा शहरों में दिन का टेम्परेचर 30 डिग्री पार पहुंच चुका है। रात में भी पारा 10 डिग्री से ज्यादा है। उत्तर प्रदेश के कई शहरों में पारा 30 डिग्री के पार हो चुका है।

राहुल का आरोप, ट्रेड डील से कपास किसानों को नुकसान

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि ट्रेड डील से कपास उगाने वाले किसानों और कपड़ा उद्योग पर उल्टा असर पड़ेगा।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शनिवार को अपने वीडियो पोस्ट में राहुल ने आरोप लगाया कि 18% टैरिफ बनाम 0% समझाता हूं, कैसे झूठ बोलने में माहिर प्रधानमंत्री और उनकी कैबिनेट इसपर भ्रम फैला रहे हैं, और किस तरह से वो भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से देश के कपास किसानों और टेक्सटाइल एक्सपोर्टर्स को धोखा दे रहे हैं।

पोस्ट में राहुल ने कहा कि बांग्लादेश को अमेरिका में गारमेंट्स निर्यात पर 0% टैरिफ का फायदा दिया जा रहा है - शर्त बस इतनी है कि वो अमेरिकी कपास आयात करें।

राहुल ने बताया कि भारत के गारमेंट्स पर 18% टैरिफ की घोषणा के बाद जब मैंने संसद में बांग्लादेश को मिल रही खास रियायत पर सवाल उठाया, तब मोदी सरकार के मंत्री का जवाब आया - अगर यही फायदा हमें भी चाहिए, तो अमेरिका से कपास मंगवानी होगी। आखिर, ये बात तब तक देश से छुपाई क्यों गई? और, ये कैसी नीति है? क्या यह सचमुच में कोई विकल्प है - या फिर आगे कुआं, पीछे खाई की हालत में फंसाने वाला जाल?

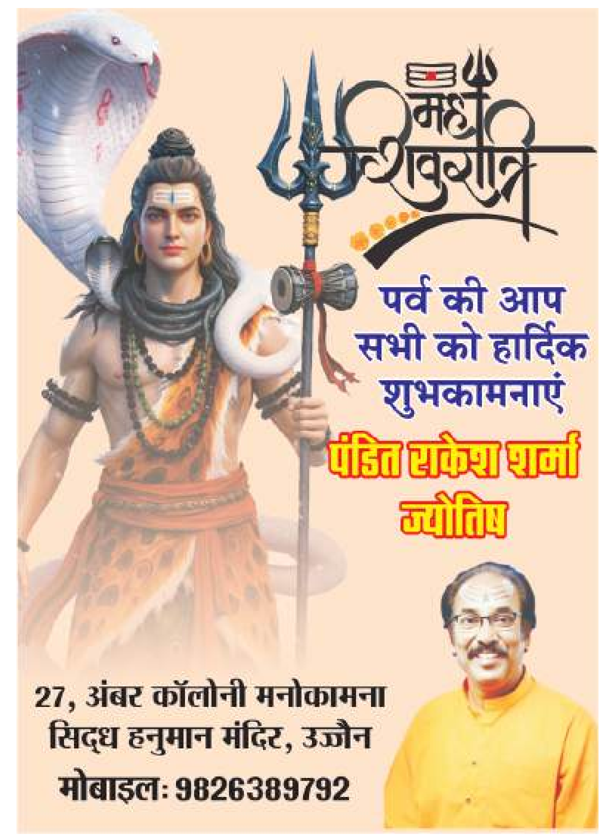

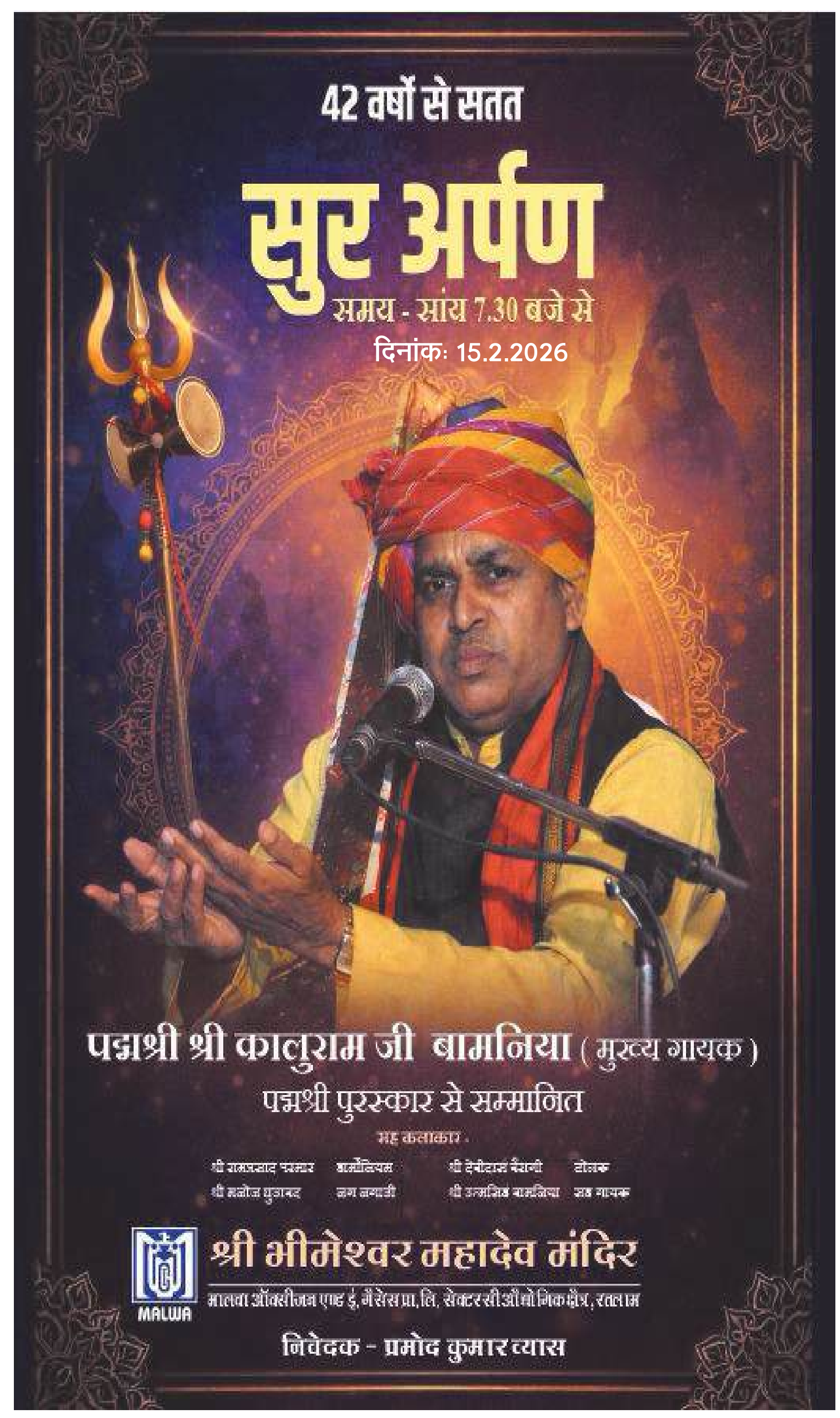

भक्ति भाव की प्रतीक्षा

महादेव शिव की महिमा अपरंपार है। उनकी पूजा-वंदना प्रभु श्रीराम भी निरंतर करते हैं। तुलसीदास जी ने श्रीराम जी को यह कहते लिखा है कि शिव का द्रोही मेरे स्वप्न में भी नहीं आता है। संसार में संभवतः ऐसा कोई नहीं होगा, जो शिव को जानता हो और उनकी प्रशंसा न करता हो। कबीरपंथियों के बीच भी एक शिव चर्चा प्रचलित है। छपरा में एक संत थे हलकोरी बाबा, कबीरपंथी थे। वह नाम लिखना भी नहीं जानते थे, किंतु उन्हें गुरु के अनुग्रह से विशिष्ट दृष्टि की प्रापति हुई। उन्होंने एक दिन घर वालों से कहा, मैं अब केवल राम-राम जपूंगा। मेरे हिस्से की जमीन के आधार पर आप मुझे बस रोटी दे देना। कबीरपंथी सीताराम-सीताराम नहीं कहते हैं। केवल राम-राम कहते हैं, जैसे रामसनेही संप्रदाय के लोग करते हैं। उन्होंने खूब जाप किया, सारी रिद्धियां-सिद्धियां प्राप्त हो गईं। बताते हैं कि वह एक बार लोगों के आग्रह पर तीर्थ यात्रा पर निकले, पर काशी में भगवान विश्वनाथ के मंदिर में नहीं गए। यह सोचकर नहीं गए कि कबीरपंथी लोग मंदिर जाने की निंदा करेंगे। कबीरपंथी मूर्ति पूजक नहीं हैं। वैसे, जगद्गुरु रामानंदाचार्य के शिष्य थे कबीर, काशी में उनका भी आश्रम है। पूरे देश में कबीर मठ हैं। एक से एक महात्मा कबीर मठों में हुए हैं। साईं बाबा भी कबीर परंपरा से दीक्षित थे। साईं मतलब होता है स्वामी। तो हलकोरी बाबा काशी में भगवान विश्वनाथ के यहां नहीं गए। वह काशी से लौटने लगे। एक स्थान पर बैठे गाड़ी की प्रतीक्षा कर रहे थे, तब भगवान विश्वनाथ दिव्य स्वरूप में अनेक मालाओं से सुसज्जित वहां पहुंचे, त्रिशूल, डमरू, चंद्रमा विभूषित ललाट। हलकोरी बाबा समझ गए कि भगवान हैं, तो दंडवत किया, क्षमा याचना भी की और कहा, मैं आपके मंदिर में नहीं आया। भगवान विश्वनाथ बोले कि यही कहने आया हूं कि आप क्यों नहीं आए? आपको आना चाहिए था। हलकोरी बाबा ने कहा, मैं मंदिर जाता, तो कबीरपंथी लोग विवाद करते, मुझे सुनाते, निंदा करते, ये कहां चला गया कबीरपंथ की मयार्दा को छोड़कर, इसलिए नहीं आया। आपको आना पड़ा, आपसे क्षमा चाहता हूं। फिर बहुत विनम्र स्वर में हलकोरी बाबा ने कहा कि वैसे मैं दरिद्र हूं, मेरे जल की क्या महत्ता है? आपके यहां जल चढ़ाने वालों की कमी है क्या? करोड़ों लोग आपके यहां प्रतिदिन जल अर्पित करने आते हैं। भगवान विश्वनाथ ने कहा, मैं सबका जल ग्रहण नहीं करता, मुझे जल का कोई अभाव नहीं है। मैं केवल उनका जल स्वीकारता हूं, जिनका हृदय आप जैसा निर्मल होता है, जो भक्ति-भाव से जल अर्पित करते हैं। महादेव की ऐसी सहजता देख हलकोरी बाबा दंडवत हो गए। वह समझ गए कि ईश्वर को जल की प्यास नहीं, भोग की भूख नहीं, केवल भक्ति-भाव की प्रतीक्षा है।

सम्पादकीय

पड़ोस में बदलाव

बांग्लादेश के राष्ट्रीय चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी को मिली भारी चुनावी जीत के गहरे मायने हैं। समग्रता में देखें, तो यह लंबे समय से जारी इस विपक्षी पार्टी के संघर्ष और अनुभव की जीत है। करीब दो दशक बाद बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी अर्थात बीएनपी की सत्ता में वापसी हो रही है और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के पुत्र तारिक रहमान शनिवार को बांग्लादेश की कमान संभालने वाले हैं। बेशक, भारत के इस पूर्वी पड़ोसी देश में नए युग का आगाज होने वाला है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के विरोध में जुलाई 2024 में हुई छात्र क्रांति के बाद से ही इस देश में नीतिगत संकट देखा जा रहा है। अनेक फैसले हुए हैं, जो जनशक्ति या छात्रों के हिंसक या आक्रामक दबाव में हुए हैं। यहां तक कि मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बनी सलाहकार सरकार भी छात्रों के दबाव में ही गठित हुई थी। हालांकि, चुनावी नतीजे बता रहे हैं कि छात्र शक्ति पर लोगों ने भरोसा नहीं किया है। नाममात्र की सीटें ही छात्रों की नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) की झोली में गई हैं। अपेक्षाकृत ज्यादा कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी और उसके 11 सहयोगी दलों को भी सौ से कम सीटें हासिल हुई हैं। इसका पहला मतलब है कि बांग्लादेश में लोगों ने सरकार चलाने के अनुभव को तरजीह दी है। बीएनपी की जीत बांग्लादेश में तुलनात्मक रूप से सबसे बेहतर पार्टी की सफलता है। यहां यह ध्यान रखने की जरूरत है कि शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग इस चुनाव में भाग नहीं ले रही थी। अवामी लीग के खिलाफ जो नाराजगी है, उसकी वजह से उसे चुनाव से दूर रखा गया। आगे यह देखने वाली बात होगी कि सत्ता संभालने के बाद 60 वर्षीय तारिक रहमान और उनकी पार्टी बीएनपी का रवैया विपक्षी दलों के प्रति क्या रहता है? इसमें कोई संदेह नहीं कि बांग्लादेश में विपक्षी दलों के प्रति सत्तारूढ़ दल का रवैया दुखद रहा है। एक बेहतर राजनीति के लिए संतुलन जरूरी है। हां, अगर बीएनपी यह ठान लेती है कि वह अवामी लीग को देश में फिर पैर नहीं जमाने देगी, तो बांग्लादेश की राजनीति का स्वरूप हमेशा के लिए बदल जाएगा। बीएनपी का रुख अवामी लीग और बंगबंधु मुजीबुर्रहमान के प्रति क्या रहता है, यह भी देखने वाली बात होगी। बीएनपी की खालिदा जिया जब प्रधानमंत्री थीं, तब भी बंगबंधु की विरासत पर हमले नहीं हुए थे, लेकिन सलाहकार सरकार के मुखिया मोहम्मद युनूस के दौर में बंगबंधु की बेरहम बेकद्री से बांग्लादेश ने अपना नया इतिहास लिखना शुरू किया है। क्या बेकद्री की इस परिपाटी को तारिक रहमान आगे बढ़ाएंगे?

महाशिवरात्रि के पावन प्रसंग पर.

शिव-साधकों का कल्याणकारी मंत्र

श्नमरू शिवाय्य यह शैव सम्प्रदाय का पवित्र-लोकप्रिय तथा अत्यधिक महत्त्वपूर्ण मन्त्र है। यह भगवान शिव को समर्पित है। इसे पंचाक्षर मन्त्र कहा जाता है। इसमें यदि द्द को जोड़ दिया जाए तो यह षड़ाक्षर मन्त्र कहलाता है। शिव की अत्यधिक मनमोहक स्तुति है जिसमें भक्त अपने आराध्य की बड़ी श्रद्धा से स्तुति करता है। समस्त मानव जाति के कल्याण के लिए शिव पंचाक्षर मन्त्र का जाप किया जाता है। भगवान शिव के गुणों का आराध्य द्वारा स्तवन किया जाता है। अल्प अक्षरों वाला यह मन्त्र मोक्ष और ज्ञान का प्रदाता है और सिद्धि का दाता है।

डॉ. शारदा मेहता (दैनिक अवन्तिका)

भगवान शिव संसार के उत्पादक, पालक और संहारक हैं। भक्त के हृदय में स्थित शिव सभी के लिए कल्याणकारी है। शिवोपासक को अपने उपास्य देव के समान ही मत्सरयुक्त नहीं होना चाहिए। सीमित संपत्ति और अल्प परिग्रह से भी यदि शिव की उपासना की जाए तो भी भोले भंडारी प्रसन्न हो जाते हैं।

श्महादेव महादेव महादेवेति यो वदेत।
एकेन मुक्ति माप्नोति द्वाभ्यां शंभू ऋणी भवेत।्य

शिव पंचाक्षर स्तोत्र, शिवमानसपूजा, शिवाष्टक, द्वादश ज्योतिर्लिंग स्तोत्र आदि भी ऐसे स्तोत्र हैं, जिनका भक्तिपूर्वक पाठ करने से मानव जीवन का अत्यधिक कल्याण होता है। कलियुग में तो शिवाराधना सर्वोपरि फल प्रदाता है। श्नमरू शिवाय्य तथा श्द्द नमरू शिवाय्य इस मन्त्र का जाप तो व्यक्ति कभी भी, कहीं भी उठते-बैठते कर सकता है। शिव का सगुण स्वरूप मनोहर है, मोहक है तथा अद्भुत है।

शिव के प्रमुख कार्य हैं सर्वप्रथम सृष्टि का निर्माण, फिर उसका पालन करना और फिर उसका संहार करना। समय-समय पर वे उसमें परिवर्तन भी करते हैं और भक्तों को मोक्ष भी प्रदान करते हैं। शिव साधना में यदि कोई सर्वाधिक प्रभावशाली मन्त्र है तो वह है शिव पंचाक्षर मन्त्र। इस मन्त्र की शक्ति कल्याणकारी है तथा अनादिकाल से यह प्रभावी मन्त्र अपने साधकों को ध्यानावस्थित अवस्था में लाकर आत्मशुद्धि तथा शरीर शुद्धि में सहायक है।

शिव तथा शिवा की सम्मिलित शक्ति से ही कल्याणकारी ऊर्जा का जन्म होता है। आत्मबल का संचार होता है। भक्त की विसंगतियों का नाश होकर मन की शुद्धि होती है। यह पंचाक्षरी मन्त्र भक्त में सन्निहित पाँच तत्त्वों को जाग्रत करने वाला मन्त्र है। इसके पठन-पाठन से साधक को इच्छित फल की प्राप्ति होती है। उसकी मनोकामनाएँ पूर्ण होती है। इसमें श्द्द्य को समाहित कर देने पर यह षड़ाक्षर मन्त्र द्विगुणित फल को प्रदान करता है। यदि रुद्राक्ष की माला से इस मन्त्र का जाप किया जाए तो आशुतोष भगवान शिव समस्त सिद्धियों को प्रदान करते हैं। षड़ाक्षर मन्त्र सभी अशुभ बातों का हरण करता है। अपने सामर्थ्य के अनुसार भक्त को इसका पाठ करना चाहिए। इसके नियमित पठन से गोदान, तीर्थाटन, गया श्राद्ध आदि पुण्य कार्यों का फल प्राप्त होता है। यही सभी कामनाओं की पूर्ति करने वाला मन्त्र है। कहा जाता है कि ब्रह्माजी ने भी दीर्घ अवधि तक इस पंचाक्षर मन्त्र का जप कर भगवान शिव को प्रसन्न किया था। देवाधिदेव महादेव महान् हैं। हम उनके गुणों के विस्तार को शब्दों में वर्णित नहीं कर सकते हैं। आचार्य पुष्पदन्त ने भी शिवमहिम्न स्तोत्र में लिखा है-

श्असितगिरिसमं स्यात कज्जलं सिन्धुपात्रे,
सुरतरुवर शाखा लेखनी पत्रमुर्वी।
लिखति यदि गृहीत्वा शारदा सर्वकालं
तदपि तव गुणानां ईश पारं न याति।।

भगवान शिव ने एक गृहस्थ का जीवन भी जीया है तो संन्यासी का जीवन भी उनकी विशेषता रहा है। शिवजी का जीव भक्तों के लिए प्रेरणास्त्रोत रहा है। वर्तमान समय बड़ा ही विकट है। अनुशासनहीनता, अराजकता, अनैतिकता आदि सर्वत्र व्याप्त है। मानव जीवन में पाशविक प्रवृत्तियाँ बढ़ती जा रही हैं। मानवता कराह रही है। मानव जीवन में गुणों का पतन जीवन के हर क्षेत्र में दृष्टिगोचर हो रहा है। आशुतोष शिव ही मानवता की रक्षा का भार ग्रहण कर सकते हैं। समुद्र मंथन के समय भी उन्होंने चैदह रत्नों में निकलने वाले विष का पान कर सभी की रक्षा की और उन्हें नीलकंठ की संज्ञा प्राप्त हुई। यह इस बात का द्योतक है कि कठिन परिस्थिति में भी हमें धैर्य धारण करना चाहिए। सच्चा शिव भक्ति विपरीत स्वभाव वालों से भी मित्रवत व्यवहार करता है। विषैले सर्प को वे गले लगाते हैं तो भूत पिशाच अर्द्धनग्न अवस्था में विक्षिप्त के समान शिवजी की वर यात्रा में अपनी सहभागिता निभाते हैं। इसीलिए शिवजी को सभी देवतागण सम्माननीय मानते हैं।

शिव परिवार भी सनातन धर्म को निभाने वाला समन्वयवादी रहा है। शिवजी के तीन नेत्र हैं। वे तीसरे नेत्र का उपयोग विरले ही करते हैं। उनका वाहन वृषभ है तो माता पार्वती सिंह पर विराजमान हैं। इनके एक पुत्र गणेशजी मूषक पर सवार हैं तो दूसरे पुत्र कार्तिकेय का वाहन मयूर है। पिताश्री शिवजी के गले के हार सर्प हैं जो कि विपरीत स्वभावधारी हैं, जन्म से एक-दूसरे के विरोधी हैं। इतनी विषमता होने पर भी सम्पूर्ण परिवार साथ-साथ जीवन व्यतीत करता है। शिवजी अपने शरीर पर भस्म लगाकर और जटाजूट धारण कर सादगीपूर्ण जीवन यापन करते हैं। वर्तमान समय में परिवार भौतिकवाद की ओर बढ़ रहे हैं, ऐसे समय शिव परिवार हमारे लिए एक आशावादी दृष्टिकोण का परिचायक है। शिव के सन्निकट रहने के लिए हमें सर्वदा श्नमरू शिवाय्य तथा श्द्द नमरू शिवाय्य का जप करना चाहिए, जिससे हमें आत्मिक शान्ति का अनुभव होता रहे और हम सुखद जीवन का आनन्द प्राप्त कर सकें-

महादेव महादेव महादेवेति वादिनम।
वत्सं गौरिव गौरीशो धावन्तमनुधावति।।

चार प्रहर की पूजा से धर्म-अर्थ-काम-मोक्ष की सिद्धि

देवों के देव महादेव की व्यापकता संपूर्ण भारत ही नहीं विश्व में भी सुर्खियां बनी हुई है। अनेक नाम है शंकर के भोलेनाथ के। द्वादश ज्योतिर्लिंग की महिमा वैदिक ऋचाओं में, पुराणों में, राम चरित मानस में, महाभारत में और शास्त्रों में वर्णित है। आदि देव महादेव कहे जाते हैं। कई कथाएं प्रचलित हैं। वैसे तो प्रति माह शिवरात्रि आती है पर महाशिवरात्रि का बहुत महत्व बताया गया है।

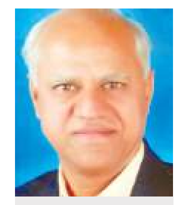

डा. घनश्याम बटवाल (दैनिक अवन्तिका)

महाशिवरात्रि महापर्व विशेष 2026 पर ज्योतिर्विद राघवेंद्र रविशराय गौड़ ने बताया कि महाशिवरात्रि फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी : 15 फरवरी 2026, रविवार चतुर्दशी तिथि प्रारम्भः 14 फरवरी रात 10:15 बजे चतुर्दशी तिथि समाप्तः 15 फरवरी संध्या 06:42 बजे तक ज्योर्तिविद श्री राघवेन्द्र रवीशराय गौड़ के अनुसार महाशिवरात्रि महापर्व केवल उत्सव नहीं, शिवतत्त्व से मिलने का दिव्य अवसर है। फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी की यह पावन रात्रि चार प्रहर की विशेष पूजा, व्रत, जप और ध्यान के माध्यम से धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष झ चारों पुरुषार्थ प्रदान करने वाली मानी गई है। महाशिवरात्रि 2026 : चारों प्रहर की पूजा समय और विधि का उल्लेख करते हुए बताया कि

प्रथम प्रहर की पूजा- समयः संध्या 6:00 बजे से रात 9:00 बजे तक (15फरवरी) विशेष अर्पणः दूध से अभिषेक पाठः रुद्राष्टाध्यायी फलः मन की शुद्धि, सद्बुद्धि, पारिवारिक सुख

द्वितीय प्रहर की पूजा- समयः रात 9:00 बजे से मध्यरात्रि 12:00 बजे तक विशेष अर्पणः गन्ने का रस (इखुरस) से अभिषेक पाठः रुद्राष्टाध्यायी फलः धन-धान्य, आर्थिक स्थिरता, गृहस्थ सुख

तृतीय प्रहर की पूजा- समयः मध्यरात्रि 12:00 बजे से प्रातः 3:00 बजे तक विशेष अर्पणः भांग मिश्रित जल से अभिषेक पाठः रुद्राष्टाध्यायी + शिव स्तुति फलः काम-विकारों से मुक्ति, आत्मा-परमात्मा मिलन

चतुर्थ प्रहर की पूजा- समयः ब्रह्ममुहूर्त प्रातः 3 बजे से 6 बजे तक (16 फरवरी) विशेष अर्पणः गुलाब जल से अभिषेक पाठः रुद्राष्टाध्यायी फलः उज्वल भविष्य, भवसागर से मुक्ति, मोक्ष प्राप्ति पंच पल्लव।

पञ्चांग राशिफल

दिनांक - 15 फरवरी 2026 रविवार
सूर्योदय - 07:04 सूर्यास्त 18:18
फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष
राहुकाल - 16:30 से 18:00 तक
तिथि - त्रयोदशी 17:05 उपरांत चतुर्दशी
नक्षत्र - उत्तराषाढा 19:48 उपरांत श्रवण
योग - व्यतिपात 02:46 उपरांत वरियान
करण - वणिज
चन्द्रमा - दिन पूर्ण मकर में रहेगा
मुस्लिम मास - सावान मास 26 तारिख

मेष- चिंता तथा तनाव रहेंगे। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। चोट व रोग से बचें। विवाद न करें। आवश्यकताएं बढ़ेंगी।

वृषभ- आर्थिक तंगी हो सकती है। कर्ज से बचें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। शत्रु परेशान करेंगे।

मिथुन- कार्यप्रणाली में सुधार होगा। योजना फलीभूत होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। यात्रा के योग बनेंगे।

कर्क- लाभ होगा। राज्य से परेशानी हो सकती है। स्त्री को कष्ट। जायदाद वृद्धि के योग बनेंगे।

सिंह- चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। व्यवसाय ठीक चलेगा। जल्दबाजी न करें।

कन्या- कष्ट होंगे। खर्च बढ़ेंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। धनागम के अवसर बनेंगे। व्यापारी सोच-समझकर निर्णय लें।

तुला- संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। थकान महसूस होगी। रोजगार में वृद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। कष्टों में वृद्धि के योग हैं।

वृश्चिक- कुछ नए कार्य की संभावना सिद्ध होगी। कष्टों में निवृत्ति नहीं होगी। कलह से बचना होगा।

धनु- दौड़-धूप अधिक होगी। बुरी सूचना मिल सकती है। विवाद न करें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर- अकारण भय व्याप्त होगा। शत्रु शांत होंगे। वाहन देखकर चलाएं। विरोधी अपमान करेंगे। शरीर शिथिल होगा।

कुंभ- भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रु शांत होंगे।

मीन- कष्ट-भय की संभावना, अस्वस्थता, आलस्य का अनुभव करेंगे। धनागम होगा। शत्रु शांत रहेंगे। लाभ-हानि बराबर रहेंगे। प्रमाद बढ़ेगा।

-पं. पुरुषोत्तम शिवनारायण शर्मा (भरदीवाले) 9926034545

महाशिवरात्रि पर्व विशेष पर

महाशिवरात्रि- जागृति, शून्यता और करुणा की महासंध्या

महाशिवरात्रि केवल एक धार्मिक पर्व नहीं है,न ही यह मात्र परंपरा या अनुष्ठान तक सीमित कोई तिथि है। यह एक अवसर है–स्वयं को जानने का,स्वयं से मिलने का और उस असीम सत्य को अनुभव करने का,जो हर मनुष्य के भीतर मौन रूप से विद्यमान है। यह रात्रि बाहर के उत्सव से अधिक,भीतर के जागरण का निमंत्रण है। योगिक परंपरा में माना गया है कि संपूर्ण सृष्टि एक असीम रिक्तता से उत्पन्न हुई है। यह रिक्तता शून्य नहीं है,बल्कि संभावनाओं से भरा हुआ अनंत विस्तार है। वही शून्यता,वही मौन,वही विराटता शिव का स्वरूप है। शिव कोई व्यक्ति नहीं,कोई सीमित आकृति नहीं–शिव वह चेतना है, जिसमें सब कुछ उत्पन्न होता है और अंततः विलीन हो जाता है।

अमित राव (दैनिक अवन्तिका)

शिव को संहारक कहा गया है, परंतु यह संहार भय का कारण नहीं होना चाहिए। उनका संहार विनाश नही, बल्कि परिवर्तन है। वे जो नष्ट करते हैं, वह जीवन नहीं बल्कि बंधन हैं–अज्ञान,अहंकार,सीमित पहचान और जड़ता। शिव का संहार हमें हल्का करता है,मुक्त करता है, ताकि जीवन नए रूप में खिल सके। इसी के साथ शिव को महाकरुणामयी भी कहा गया है। उनकी करुणा भावुकता नहीं,बल्कि गहन समझ से उपजी हुई है। वे किसी को दंडित नहीं करते,न ही किसी से कुछ मांगते हैं। वे केवल संभावना का द्वार खोलते हैं। योगिक गाथाओं में शिव अनेक रूपों में प्रकट होते हैं–कभी वैरागी,कभी नर्तक,कभी मौन तपस्वी,तो कभी पूर्ण करुणा से भरे हुए महादेव। हर रूप में वे मनुष्य को उसकी सीमाओं से आगे ले जाने का संकेत देते हैं।

महाशिवरात्रि को जागृति की रात्रि कहा गया है। इसका कारण केवल यह नहीं कि इस रात जागना शुभ माना गया है, बल्कि इसलिए कि यह रात्रि भीतर की चेतना को जागृत करने के लिए अत्यंत अनुकूल मानी जाती है। प्रकृति की गति,पृथ्वी की स्थिति और मानव ऊर्जा–तीनों इस समय एक विशेष सामंजस्य में होते हैं। यदि मनुष्य थोड़ी भी सजगता के साथ इस रात्रि को जीए,तो वह अपने भीतर गहरे स्तर पर कुछ अनुभव कर सकता है। परंतु दुर्भाग्यवश,अक्सर यह रात्रि केवल नींद से बचने की कवायद बनकर रह जाती है। लोग जागते तो हैं,पर जागरूक नहीं होते। वास्तविक जागरण आँखों का खुला रहना नहीं,बल्कि चेतना का जागना है। महाशिवरात्रि हमें आमंत्रित करती है कि हम एक रात के लिए ही सही,अपने विचारों के शोर से ऊपर उठें और उस मौन को छुएँ,जो सदैव हमारे भीतर मौजूद है। शिव का सबसे बड़ा उपहार मौन है। उस मौन में न कोई प्रश्न है, न उत्तर–केवल अनुभव है। जब मनुष्य उस मौन के निकट आता है, तब वह पहली बार स्वयं को बिना नाम,बिना

पहचान,बिना भूमिका के देख पाता है। यही वास्तविक स्वतंत्रता है।महाशिवरात्रि एक ऐसी रात्रि है जब ग्रहण करने की क्षमता बढ़ जाती है। यह ग्रहण किसी वस्तु का नहीं,बल्कि चेतना का होता है। यदि मनुष्य इस रात थोड़ी श्रद्धा,थोड़ी सजगता और थोड़ी विनम्रता के साथ बैठ जाए,तो वह अनजाने ही अपने भीतर किसी नए द्वार को खुलता हुआ पा सकता है। शिव किसी से दूर नहीं हैं। वे हिमालय में नहीं,केवल मंदिरों में नहीं,किसी विशेष स्थान में नहीं–वे वहीं हैं जहाँ पूर्ण स्वीकृति है। जहाँ मनुष्य स्वयं को जैसा है,वैसा स्वीकार कर लेता है, वहीं शिव की उपस्थिति स्वतः प्रकट हो जाती है। यही कारण है कि शिव को भोलेनाथ कहा गया है–वे किसी आडंबर से प्रसन्न नहीं होते,बल्कि सच्चे समर्पण से।महाशिवरात्रि हमें यह स्मरण कराती है कि जीवन केवल कर्मों की दौड़ नहीं है। जीवन एक नृत्य है–शिव का तांडव और आनंद दोनों। जब हम जीवन के हर अनुभव को स्वीकार करना सीखते हैं–सुख और दुख, सफलता और असफलता–तब हम शिव के और निकट आ जाते हैं।

इस पावन रात्रि पर यही कामना है कि हम सब कम से कम एक क्षण के लिए ही सही,उस असीम विस्तार को अनुभव करें, जिसे शिव कहा गया है। वह क्षण आपके जीवन की दिशा बदल सकता है,क्योंकि एक बार जिसने चेतना का स्वाद चख लिया,वह फिर कभी पूरी तरह अचेतन नहीं रह सकता। महाशिवरात्रि को एक पर्व की तरह नहीं,बल्कि एक संभावना की तरह जिएँ।

महाशिवरात्रि : अर्ध-नारीश्वर-शिव का भौतिक महत्व

अमेरिका के विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय के भौतिकशास्त्री प्रो जॉर्ज और तंत्रशास्त्र की प्रोफेसर डॉ कैथी भगवान शिव के अर्ध-नारीश्वर स्वरूप की कल्पना में धनात्मक और ऋणात्मक गुणों के प्रतीक देखते हैं। शिव जो ऊर्जा के देवता हैं, वह धनात्मक गुण और पार्वती जो प्रकृति की उर्वरा शक्ति हैं, वे ऋणात्मक गुण की प्रतीक हैं। इसे ही सापेक्षता सिद्धांत के रूप में भौतिक विज्ञानियों ने देखा है। दरअसल, प्रकाश में कण और तरंग एक साथ समाहित रहते हैं, इसी तरह इलेक्ट्रान भी एक कण और एक तरंग का रूप धारण कर लेता है। सापेक्षता का सिद्धांत इन स्वरूपों को साकार करता है, क्योंकि ये एक ही शक्ति के दो स्वरूप हैं। शिव और पार्वती का समन्वित रूप अर्ध-नारीश्वर भी इसी सिद्धांत को भौतिक रूप में प्रतिबिंबित करता है।

प्रमोद भार्गव (दैनिक अवन्तिका)

शिव की उपस्थिति ऋग्वेद में रुद्र के रूप में है,परंतु अन्य वेदों और पुराणों में इन्हीं रुद्र शिव की कल्पना एक ऐसे रूप में की गई है, जिसका आधा शरीर स्त्री तथा आधा पुरुष का है। शिव के इस स्त्री मिश्रित शरीर को हम अर्ध-नारीश्वर नाम से जानते हैं। शिव-पुराण के अनुसार शिव के इस रूप-विधान में पुरुष को ब्रह्मात्मक मानकर, ब्रह्म से भिन्न उसकी शक्ति माया को स्त्री के आधे रूप में चित्रित किया गया है। शिव का रूप अग्नि एवं सोम अर्थात सूर्य एवं चंद्रमा के सम्मिलन का भी रूप है। यानी पुरुष का अर्धांश सूर्य और स्त्री का अर्धांश चंद्रमा के प्रतीक हैं। सृष्टि के आरंभ में फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी के दिन शिव और शक्ति-रूपा पार्वती उत्पन्न हुए थे।

अर्ध-नारीश्वर के संदर्भ में जो कथा प्रचलन में है, वह है, जब ब्रह्मा ने सृष्टि के विधान को आगे बढ़ाने की बात सोची और इसे साकार करना चाहा, तो उन्हें इसे, अकेले पुरुष रूप से आगे बढ़ाना संभव नहीं लगा। तब उन्होंने शिव को बुलाकर अपना मंतव्य प्रगट किया। शिव ने ब्रह्मा के मूल भाव को समझते हुए उन्हें अर्ध-नारीश्वर में दर्शन दिए। अर्थात स्त्री और पुरुष के सम्मिलन से सृष्टि के विकास की कल्पना दी। यह भी माना जाता है कि जब बरसात में बिजली दमकती है, तब उसकी रेखामयी आकृति अर्ध-नारीश्वर संरचना जैसी दिखती है। इस सूत्र के हाथ लगने के बाद ही ब्रह्मा ने सृष्टि के क्रम को निरंतर गतिशील बनाए रखने का विधान रचा।

सच्चाई भी है कि स्त्री व पुरुष का समन्वय ही सृष्टि का वास्तविक विधान है। इसीलिए स्त्री को प्रकृति का प्रतीक माना है। अर्थात प्रकृति में जिस तरह से सृजन का क्रम जारी रहता है, मनुष्य-योनी में उसी सृजन प्रक्रिया को स्त्री गतिशील बनाए हुए है। अर्ध-नारीश्वर यानी आधे-आधे रूपों में स्त्री और पुरुष की देहों का आत्मसात हो जाना। शिव-गौरी का यही वह महा-सम्मिलन है, जो सृष्टि के बीज को स्त्री की कोख, अर्थात प्रकृति की उर्वरा भूमि में रोपता है। सृष्टि का यह विकासक्रम अनवरत चलता रहे, इसीलिए सृष्टि के निमार्ताओं ने इसमें आनंद की सुखानुभूति भी जोड़ दी है। सृष्टि के इस आदि-भूत मातृत्व व पितृत्व को पुराणों की प्रतीकात्मक भाषा में पार्वती-परमेश्वर या शिव-पार्वती कहा गया है। अर्थात शिव-शक्ति के साथ संयुक्त होकर अर्ध-नारीश्वर बन जाते हैं। इसलिए शिव से कहलाया है कि शक्ति यानी स्त्री को स्वीकार किए बिना पुरुष अपूर्ण है। स्त्री के बिना कोई कल्पना फलित नहीं हो सकती। अतएव पुरुष रूपी शिव और प्रकृति रूपी स्त्री जब अर्ध-नारीश्वर के रूप में एकाकार होते हैं तो सभी भेद और विकार स्वतः समाप्त हो जाते हैं।अर्थात जब पति-पत्नी के रूप में स्त्री-पुरुष एक दूसरे को आंतरिक रूप से तृप्त करते हैं, तभी अर्धनारीश्वर स्वरूप सार्थक होता है जीव रुपी सृष्टि का क्रम अनवरत रहता है।अतएव काम-भाव को धिक्कारना और योनि को नर्क का द्वार कहना जैसी उलाहनाएं शिव के अर्ध-नारीश्वर रूप की अवमानना है।

धर्म-आस्था

महादेव के प्रतीकः आस्था, दर्शन और जीवन का संदेश

भारतीय सनातन परंपरा में महादेव केवल एक देवता नहीं, बल्कि संपूर्ण सृष्टि के दार्शनिक सत्य का प्रतीक हैं। उनका स्वरूप जितना सरल दिखाई देता है, उतना ही गूढ़ अर्थ अपने भीतर समेटे हुए है। शिव की प्रत्येक धारण की गई वस्तु–त्रिशूल, रुद्राक्ष, भस्म, चंद्रमा या वासुकी नाग–के पीछे एक गहरा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संदेश निहित है। ये प्रतीक केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि जीवन को समझने की दृष्टि भी प्रदान करते हैं।

अजयकुमार बियाणी (दैनिक अवन्तिका)

महादेव के हाथ में सुशोभित त्रिशूल तीनों लोकों–स्वर्ग, पृथ्वी और पाताल–का प्रतीक माना जाता है। दार्शनिक अर्थों में यह त्रिशूल तीन गुणों–सत्त्व, रज और तम–का प्रतिनिधित्व करता है। यह अतीत, वर्तमान और भविष्य पर नियंत्रण का भी संकेत है। त्रिशूल का मध्य भाग संतुलन का प्रतीक है, जो बताता है कि जीवन में तीनों अवस्थाओं के बीच सामंजस्य आवश्यक है। शिव का त्रिशूल यह सिखाता है कि शक्ति का प्रयोग संतुलन के लिए होना चाहिए, न कि विनाश के लिए। यह न्याय, अनुशासन और संरक्षण का प्रतीक है।

शिव के कंठ में विराजमान वासुकी नाग भी गहन प्रतीकात्मक अर्थ रखता है। नाग समय और मृत्यु का संकेत माना जाता है। शिव का नाग पर नियंत्रण यह दर्शाता है कि वे काल के भी अधिपति हैं–महाकाल। यह संदेश देता है कि जो साधक आत्मज्ञान प्राप्त कर लेता है, वह समय और भय से परे हो जाता है। नाग ऊर्जा का भी प्रतीक है, विशेषकर कुंडलिनी शक्ति का। शिव के गले में नाग का वास यह बताता है कि दिव्य चेतना उस ऊर्जा को नियंत्रित और संतुलित करती है। रुद्राक्ष को शिव के अश्रुओं का प्रतीक माना जाता है। पुराणों के अनुसार जब शिव ने लोककल्याण की भावना से तप किया, तब उनके नेत्रों से गिरे अश्रु रुद्राक्ष के रूप में धरती पर प्रकट हुए। रुद्राक्ष धारण करना केवल धार्मिक आस्था नहीं, बल्कि आत्मसंयम और साधना का प्रतीक है। यह मन की एकाग्रता, शांति और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देता है। रुद्राक्ष यह स्मरण कराता है कि करुणा और करुणाश्रु ही सच्चे तप का आधार हैं।

महादेव का भस्म लेपित शरीर वैराग्य का सर्वोच्च प्रतीक है। भस्म हमें जीवन की नश्वरता का बोध कराती है। अंततः सब कुछ राख में परिवर्तित हो जाता है–यह सत्य शिव के स्वरूप में स्पष्ट झलकता है। भस्म का अर्थ संसार से विमुख होना नहीं, बल्कि उसके मोह से मुक्त होना है। शिव संसार के मध्य रहते हुए भी उससे आसक्त नहीं हैं। यह जीवन का बड़ा संदेश है कि भौतिक उपलब्धियाँ क्षणिक हैं, स्थायी है तो केवल आत्मचेतना। शिव के मस्तक पर सुशोभित अर्धचंद्र भी गहन अर्थ रखता है। चंद्रमा शीतलता और संतुलन का प्रतीक है। शिव के जटाओं में स्थित चंद्रमा यह दर्शाता है कि क्रोध, ऊर्जा और शक्ति के मध्य भी शीतलता और धैर्य का स्थान होना चाहिए। चंद्रमा समय की गति का भी संकेत देता है, क्योंकि उसकी कलाएँ परिवर्तनशील हैं। शिव के मस्तक पर स्थित चंद्रमा यह बताता है कि परिवर्तन को स्वीकार करना और उसे संतुलित रखना ही जीवन का मार्ग है। इन प्रतीकों का सामूहिक अर्थ यह है कि शिव जीवन के प्रत्येक विरोधाभास का संतुलन हैं। वे संहारक भी हैं और सृजनकर्ता भी। वे तपस्वी भी हैं और गृहस्थ भी। वे विरक्ति के प्रतीक हैं, परंतु करुणा के भी स्रोत हैं। उनका स्वरूप हमें यह सिखाता है कि शक्ति और शांति, वैराग्य और जिम्मेदारी, समय और शाश्वतता–इन सबके बीच संतुलन स्थापित करना ही जीवन की साधना है। आज के भौतिकवादी युग में, जब मनुष्य बाहरी उपलब्धियों की दौड़ में व्यस्त है, शिव के प्रतीक हमें भीतर झांकने की प्रेरणा देते हैं। त्रिशूल हमें अनुशासन और संतुलन का पाठ पढ़ाता है। वासुकी नाग हमें भय और समय पर नियंत्रण की दिशा में अग्रसर करता है। रुद्राक्ष हमें करुणा और ध्यान की याद दिलाता है। भस्म हमें नश्वरता का बोध कराकर अहंकार को त्यागने का संदेश देती है। और चंद्रमा हमें शीतलता और संयम का महत्व समझाता है। महादेव के प्रतीक केवल मंदिरों तक सीमित नहीं हैं। वे जीवन के व्यवहार में उतरने की अपेक्षा रखते हैं। यदि त्रिशूल का संतुलन हमारे निर्णयों में हो, यदि नाग की ऊर्जा संयमित हो, यदि रुद्राक्ष की करुणा हमारे हृदय में हो, यदि भस्म का वैराग्य हमारे अहंकार को नियंत्रित करे और यदि चंद्रमा की शीतलता हमारे व्यवहार में झलके–तो समाज में सामंजस्य और शांति संभव है।

इन्दौर मंडी भाव

चना कांटा 5750 डंकी, चना 4800 से 5000 विशाल, 8100 गेहूं मिल क्वालिटी 2650 से ,5500 से 5550 मसूर 6000, 2675 लोकवन 2850 से 2900, महाराष्ट्र सफेद 6500 से 6600, पूर्णा 2800 से 2850 मालवराज, , महाराष्ट्र लाल 6600 से 6800, 2750 से 2775 मक्का 1550, कर्नाटक 6700 से 6900 तुअर, से 1600 चना दाल 7300 से निमारी 6200 से 6600 मूंग बेस्ट 7400 मीडियम 7500 से 7600 गर्मी 7800 से 8200 मूंग बेस्ट बेस्ट 7800 से 8000 तुअर दाल 7100 से 7200 मीडियम बोल्ड 8100 से 8300 एवरेज 8300 से 8400 बेस्ट 9100 से 6500 से 6700 मोगर 5500 9200 एक्स्ट्रा बेस्ट 10000 से से 6500 उड़द बोल्ड 7000 से 10100 ब्रांडेड 10700 मूंग दाल 7200 एवरेज 6200 से 6500 9100 से 9200 बेस्ट 9600 हल्का उड़द 3000 से 5000 से 9800 मूंग मोगर 9600 से काबुली डॉलर 8000 से 8500 9700 बेस्ट 1000 से 10200 काबुली रशियन 5500 से 5700 बिटकी 5100 से 5300 सरसों उड़द दाल 8600 से 8800 बेस्ट (मीडियम) 8000 से 8200 9000 से 9200 उड़द मोगर निमाड़ी 8400 से 8500 रायड़ा 9800 से 1000 बेस्ट 10100 6200 से 6400 सोयाबीन 4300 से 10200 मसूर दाल 7450 से से 4500 अलसी 8200 से 8500 7550 बेस्ट 7650 से 7750 रुपए तिल्ली 8000 से 9000 टोली 4000 से 4200 तिल्ली 8000 से पति क्विंटल।

आलू, प्याज, लहसून भाव

आलू ज्योति नया 1300 से 1500 आलू चिप्स 1500 से 1900 ज्योति पुराना 1000 से 1500 राशन आलू 900 से 1100 गुल्ला 300 से 700, प्याज महाराष्ट्र 1600 से 1900 प्याज लोकल 1000 से 1400 एवरेज 500 से 700 गोल्टा 600 से 800 गोल्टी 300 से 500 , लहसुन सुपर बोल्ड 7000 से 7500 मीडियम 4000 से 5000 बारीक 3000 से 4500 रुपए प्रति क्विंटल

उज्जैन भाव

लोकवन गेहूँ- 1796-2801 चना काबली- 3601-8526, चना बड़ा- 3640-5551, बटला- 4061, रायड़ा- 5775, उड़द- 3500, मसूर- 4841-5620, सोयाबीन- 1901-5841, मैथीदाना- 4720, असली- 6100, मावा- 280 प्रतिकिलो। **सोना-चाँदी-** सोना-स्टेण्डर्ड- 1,59,000, रवा- 1,58,800 चांदी-टंच- 2,50,000 पाट- 2,49,500।

उज्जैन किराना

अशोक कुमार भगवानदास

152 फवारा चौक उज्जैन

किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती छड़ी 75 से 180, चावल तिबार 68 से 120, चावल पोनिया 55 से 85, चावल की टुकडी 36 से 65, चावल सेला 36.5 से 38, राइस परमेल 35 से 44, तूवर दाल निमाड़ी 130,तूवर दाल महाराष्ट्र 104 से 113, तूवर दाल अन्य 85 से 120, मूंग दाल 85 से 110, मुंग मोगर 95 से 120,उड़द मोगर 110 से 120, उड़द दाल 95 से 100, चना दाल 71 से 80।

आमंत्रण

आप भी अपने व्यंग्य, रचनाएं, लेख, प्रतिक्रिया, मालवी भाषा में पठनीय सामग्री आदि ई-मेल कर सकते है।

editor.awantika@gmail.com

रात्रि 10 बजे के बाद तेज आवाज में डीजे बजाने पर सख्त कार्रवाई, दो डीजे जप्त

गुना। जिला मुख्यालय पर शहर में शादी समारोह, बारात एवं अन्य आयोजनों के दौरान निर्धारित समय सीमा रात्रि 10 बजे के बाद तेज आवाज में डीजे संचालित किए जाने की लगातार मिल रही शिकायतों के मद्देनजर दिनांक 12 फरवरी 2026 को प्रशासन एवं पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से विशेष मुहिम चलाई गई। यह कार्रवाई कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशानुसार एवं अपर कलेक्टर अखिलेश जैन के निर्देशन में की गई। अभियान के तहत रात्रि 10 बजे के बाद तेज ध्वनि में संचालित हो रहे डीजे के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए दो बड़े डीजे जप्त किए गए। प्रथम डीजे बोलेरो पिकअप क्रमांक एमपी 67 जी 1091 सहित जप्त किया गया। उक्त डीजे बंटी यादव निवासी शाढौरा का बताया गया, जिसे राजपाल अहिरवार एवं नंदू अहिरवार निवासी शाडोरा द्वारा संचालित किया जा रहा था। द्वितीय डीजे ट्रैक्टर सहित गौरव पुत्र परमाल कोरी निवासी कैंट से जप्त किया गया। दोनों जप्त डीजे को थाना केंट में सुरक्षित रखवाया गया है। कार्यवाही के दौरान तहसीलदार गुना शहर गौरीशंकर बैरवा, नायब तहसीलदार गुना शहर नरेन्द्र सिंह यादव, थाना प्रभारी कैंट अनूप भार्गव सहित प्रशासन एवं पुलिस का अमला उपस्थित रहा।

ग्रीष्मा शाह जिला अध्यक्ष शैला जैन जिला सचिव मनोनीत

शुजालपुर। नगर ही नहीं, बल्कि जिले में सक्रिय सामाजिक कार्यों के लिए पहचानी जाने वाली ग्रीष्मा संदीप शाह को भारतीय जैन संगठन की शाजापुर जिला अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया है। यह मनोनयन संगठन की राज्य अध्यक्ष साशा जैन द्वारा किया गया। साथ ही शैला जैन को जिला सचिव के दायित्व से नवाजा गया है। सामाजिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक गतिविधियों में निरंतर सक्रिय रहने वाली ग्रीष्मा शाह विभिन्न संस्थाओं में महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन कर रही हैं। संगठन को आशा है कि उनके नेतृत्व में जिले में सेवा एवं संगठनात्मक गतिविधियों को नई दिशा मिलेगी। नवनियुक्त पदाधिकारियों के मनोनयन पर परिजन एवं समाजजनों ने हर्ष व्यक्त किया। मीना चौधरी, तेजकरण जैन, परमजीत कौर खालसा, संध्या धारीवाल, मंजू विजयवर्गीय, आरती सोनी, प्रभा जैन, बबीता परमार, रचना जैन, नेहा शाह, रिंकू सोलंकी, हेमा सुराना एवं कुसुम सोनी सहित अनेक शुभचिंतकों ने बधाई देते हुए उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

राष्ट्रीय एकता शिविर में चमका शुजालपुर मनीष सिसोदिया ने बढ़ाया जिले का मान

शुजालपुर। जे.एन.एस. कॉलेज शुजालपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस इकाई के सक्रिय स्वयंसेवक मनीष सिसोदिया ने सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर जिले का गौरव बढ़ाया। यह शिविर तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित मारवाड़ी कॉलेज भागलपुर में 4 से 10 फरवरी तक आयोजित हुआ। मध्य प्रदेश दल के प्रभारी प्रो. राधेश्याम भील के नेतृत्व में दल ने बाबा महाकाल की आकर्षक झांकी प्रस्तुत की। झांकी में महाकाल का स्वरूप शाजापुर जिले की बीकेएसएन कॉलेज की छात्रा कौशल्या ने धारण किया, जबकि जे.एन.एस.कॉलेज के मनीष सिसोदिया ने पुजारी की भूमिका निभाई। जीवंत प्रस्तुति ने भागलपुर की धरती पर उज्जैन की सांस्कृतिक छटा बिखेर दी और दर्शकों की सराहना बटोरी। शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने विक्रमशिला महाविहार और मंदार पहाड़ी का शैक्षणिक भ्रमण किया।

बजट 2026 पर युवा संवाद का आयोजन

विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने में युवाओं की भूमिका को केंद्रित करने वाला बजट- सिकरवार

शिक्षा, स्किल डेवलपमेंट, एआई के प्रावधानों से युवाओं को लाभ–सोगानी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ गुना

केंद्रीय बजट 2026 में जुड़े प्रावधानों, सुधारों और अवसरों को युवाओं तक सरल, स्पष्ट एवं प्रभारी रूप से युवाओं तक पहुँचाने के उद्देश्य से भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा स्थानीय पीजी कॉलेज में युवा संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें वक्ताओं ने अपने विचार साझा किए एवं उपस्थित युवाओं के बजट को लेकर जिज्ञासा एवं प्रश्नों के सारगर्भित उत्तर दिए।

कार्यक्रम का प्रारंभ युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह धाकड़ के अध्यक्षीय भाषण से हुआ। वहीं पार्टी के जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह सिकरवार ने कहा कि विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने में युवाओं की भूमिका को केंद्रित करने वाला बजट है जो युवाओं को भविष्य, रोजगार, उद्यमिता, शिक्षा, नवाचार तथा सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी सरकार की प्राथमिकताओं और दीर्घकालिक दृष्टि को स्पष्ट करता है ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में केंद्रीय बजट समावेशी विकास आधारित है जिसमें युवाओं के लिए नए अवसरों, कौशल विकास, स्टार्टअप, स्वरोजगार और सामाजिक सशक्तिकरण के नए द्वार खोलता है ।

विधायक पन्नालाल शाक्य ने बजट में युवाओं को विकसित भारत 2047 की दिशा में युवाओं को प्रोत्साहित करने वाला,रोजगार सृजन और आत्मनिर्भर भारत बनाने पर जोर देने वाला बताया।साथ ही उन्होंने ने युवाओं को स्वदेशी उत्पादों को अपनाने और बढ़ावा देने का आह्वान किया। मुख्य वक्ता वरिष्ठ कर सलाहकार अमित सोगानी ने केंद्रीय बजट के मुख्य बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी देते हुए उपस्थित युवाओं के सवालों के जवाब दिए। उन्होंने कहा कि यह बजट शिक्षा, स्किल डेवलपमेंट, एआई के प्रावधानों से युवाओं को लाभ देने वाला है साथ ही बुनियादी ढाँचे के प्रावधानों जैसे हाई स्पीड रेल कॉरिडोर, बीस नयें राष्ट्रीय जलमार्ग, सड़क, लोजिस्टिक्स से बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन और टेक्नोलॉजी, सेमीकंडक्टर मिशन, स्टार्टअप, बायो फार्मा, स्वास्थ, एआई और कौशल विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित इस बजट से आत्म निर्भर और विकसित भारत में युवाओं की भूमिका को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक बड़ा प्रयास है।

कार्यक्रम में नपा अध्यक्ष श्रीमति सविता गुप्ता, जिला संयोजक रविन्द्र रघुवंशी टिल्लू, जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष आशीष मंगल भी मंचासीन रहे। कार्यक्रम का संचालन कोषाध्यक्ष रिंकू चौरसिया ने किया एवं आभार कैंट मंडल अध्यक्ष विनोद दीवान ने व्यक्त किया।

सिद्दीकियां मस्जिद में इनामी जलसे का आयोजन

हमें अल्लाह, रसूल के बताए रास्ते पर चलने की जरूरत है-मौलाना इरफान

नात–तकरीर पेश करने वाले बच्चे पुरस्कार से सम्मानित

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सारंगपुर

हमें अल्लाह और रसूल के बताए रास्ते पर चलने की जरूरत है। नेकी और सच्चाई, दीन और शिक्षा के प्रचार के लिए हमें मेहनत करना चाहिए। हमें बच्चों को दीनी तालीम के साथ-साथ दुनियावी तालीम भी देनी चाहिए। बच्चों को अपने मजहब के अनुसार जीवन जीने और मजहब में मना की गई बातों से बचने की ताकीद करना चाहिए। यह तकरीर पड़ाना आवास कालोनी स्थित सिद्दीकियां मस्जिद में शुक्रवार रात आयोजित हुए अजीमुश्शन जलसा और इनामी जलसे के दौरान सदारत कर रहे दारुल उलूम ताज उल मसाजिद भोपाल उस्ताद मौलाना इरफान अजीज साहब ने तकरीर करते हुए कही। मस्जिद में हुए प्रोग्राम के दौरान मकतब दिनयात में एक इनामी जलसे का आयोजन किया गया। इस जलसे में बच्चों ने नात और तकरीरें पेश कीं। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। यह जलसा हाफिज मोहम्मद शाकिर एवं नौजवान कमेटी की देखरेख में आयोजित हुआ। नन्हे-मुन्नो बच्चों ने नात और तकरीरें प्रस्तुत कीं। जलसे में पहला, दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को उलमाओं द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। अंजुमन सदर अल्ताफ अंसारी एवं इमरान अंसारी ने बताया कि यह एक दिवसीय इनामी जलसा था, जिसमें बच्चों ने नाते पाक, कलमें और तकरीरें पेश कीं। अतिथियों ने बच्चों को इनाम देकर सम्मानित किया। इस मौके पर तकरीर मं मौलाना आरिफ राशिद ने कहा कि बच्चों को उनकी उम्र के हिसाब से दीन की सभी बातों की जानकारी देते रहना चाहिए।

मास्टरमाइंड इंटरनेशनल स्कूल, में मातृ-पितृ पूजन दिवस का आयोजन

तराना। मास्टरमाइंड इंटरनेशनल स्कूल,में शनिवार को मातृ-पितृ पूजन दिवस का आयोजन किया गया जिसमें छात्रों और अभिभावकों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। इस अवसर पर, छात्रों ने अपने माता-पिता का पूजन किया और उनके प्रति सम्मान और आभार व्यक्त किया।इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में माता-पिता के प्रति सम्मान और आदर की भावना को बढ़ावा देना था। छात्रों ने माता-पिता के चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद लिया और उनके साथ समय बिताया। इस अवसर पर, स्कूल के प्रिंसिपल आशीष पाटीदार ने कहा, मातृ-पितृ पूजन दिवस का आयोजन हमारे छात्रों को माता-पिता के प्रति सम्मान और आदर की भावना को बढ़ावा देने के लिए किया गया है। इस कार्यक्रम में, छात्रों ने माता-पिता की विधिवत पूजन किया, और माता-पिता ने भी अपने बच्चों के साथ समय बिताया। इस अवसर पर, स्कूल में एक विशेष सभा का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने माता-पिता का सम्मान किया और उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

वैश्य महासम्मेलन ब्यावरा के द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में सामाजिक सहभागिता का अनुकरणीय उदाहरण

दैनिक अवन्तिका ▸▸ ब्यावरा।

वैश्य महासम्मेलन ब्यावरा जिला राजगढ़ द्वारा आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर समाज में सेवा, संवेदना और स्वास्थ्य जागरूकता का प्रेरणादायक उदाहरण बनकर सामने आया। शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसमें महिलाओं की सहभागिता विशेष रूप से उल्लेखनीय रही।

शिविर की सबसे सराहनीय विशेषता यह रही कि दंपत्तियों ने जोड़े के रूप में तथा मां-बेटे ने साथ मिलकर रक्तदान किया। रेखा मंगल ने अपने पुत्र पीयूष मंगल के साथ रक्तदान कर समाज को प्रेरणादायक संदेश दिया। इसी क्रम में कपिल गुप्ता एवं उनकी पत्नी वर्षा गुप्ता, तथा विकास मंगल ने अपनी पत्नी आरती मंगल के साथ इस पुण्य कार्य में सहभागिता निभाई। शिविर में दुर्लभ रक्त समूह बी निगेटिव की डोनर स्वाति जजावरा द्वारा किया गया रक्तदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा, क्योंकि ऐसे रक्त समूह की आपात परिस्थितियों में विशेष आवश्यकता होती है। आयोजकों ने ऐसे डोनर्स के योगदान को समाज के लिए अमूल्य बताया। रक्तदाताओं के इस उत्साह को देखकर सिविल अस्पताल में कार्यरत डॉ. जतिन सेन और बंटी सौंधिया ने भी स्वयं आगे बढ़कर रक्तदान किया, जिससे स्वास्थ्य कर्मियों के प्रति जनता का विश्वास और सुदृढ़ हुआ। यह दृश्य इस बात का स्पष्ट प्रमाण रहा कि रक्तदान केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि पारिवारिक और सामाजिक जिम्मेदारी भी है। महिलाओं की सक्रिय भागीदारी ने यह सिद्ध किया कि वे सामाजिक सरोकारों में पूरी सजगता और समर्पण के साथ अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

इन्होंने निभाया सामाजिक दायित्व

शिविर को सफल बनाने में मुख्य भूमिका, रक्तदान की इस जीवन रक्षक मुहिम में अपना सम्पूर्ण जीवन व समय देने वाले राम कृष्ण गुप्ता की थी, वैष्णव महिला मंडल की अध्यक्षा संगीता मोदानी, सखी क्लब से मेघना अग्रवाल, ज्योति मंगल, ममता गुप्ता, शिल्पा गुप्ता आदि के साथ साथ युवाओं और खेल जगत का भी भरपूर सहयोग मिला। ?युवा शक्ति- प्रशांत जैन, यश वर्मा, प्रदीप नागर। ?खेल जगत से एकलव्य स्पोर्ट्स एकेडमी के संचालक राम भील एवं वॉलीबॉल प्रशिक्षक फिरोज लोधी। ब्लड बैंक राजगढ़ एवं हॉस्पिटल ब्यावरा की ओर से डॉ. सोनल, स्वप्ना राय, समन सेन एवं हर्षित साहू का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। आयोजक मंडल के सदस्य रामकृष्ण गुप्ता, आरती मंगल, दीपक नाटानी एवं मुकुल जैन ने सभी रक्तदाताओं, सहयोगियों एवं चिकित्सा दल के प्रति आभार व्यक्त किया। मार्गदर्शन बीके गुप्ता एवं चंद्र प्रकाश एरन का रहा। अन्य रक्तदाताओं में दामोदर सोनी, परमानंद मेवाड़े, बब्लू पुष्पद, गौरीशंकर वर्मा, संदीप गुप्ता एवं देवेन गुप्ता शामिल रहे। आयोजन का उद्देश्य केवल रक्त संग्रह तक सीमित न होकर समाज में रक्तदान के प्रति सकारात्मक सोच, जागरूकता और मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करना रहा। आयोजकों ने कहा कि भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्यक्रमों के माध्यम से समाज को स्वास्थ्य एवं सेवा के प्रति निरंतर जागरूक किया जाता रहेगा। 15 पुरुष, 5 महिला सहित कुल 20 यूनिट रक्तदान किया गया।

फरार चल रहे बलात्कार के आरोपी को नरसिंहगढ़ पुलिस ने किया गिरफ्तार

ब्यावरा। राजगढ़ जिले में महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों में त्वरित एवं संवेदनशील कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु पुलिस अधीक्षक राजगढ़ अमित तोलानी द्वारा सभी थाना प्रभारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि ऐसे मामलों में फरार आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी कर प्रभावी वैधानिक कार्रवाई की जाए। उक्त निर्देशों के पालन में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस नरसिंहगढ़ श्रीमती नेहा गौर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी नरसिंहगढ़ निरीक्षक शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर लगातार दबिश एवं तलाश अभियान चलाया गया। पीड़िता द्वारा थाना नरसिंहगढ़ में रिपोर्ट दर्ज कराई कि आरोपी लखपत गुर्जर ग्राम सराना, थाना नरसिंहगढ़ ने उसे डरा-धमकाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। रिपोर्ट पर थाना नरसिंहगढ़ में अपराध के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। घटना के पश्चात आरोपी फरार हो गया था। पुलिस द्वारा आरोपी की संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर तलाश की गई। सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया, जहाँ से अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

फसल कटाई के पश्चात फसल अवशेषों को जलाना पूर्णत: प्रतिबंधित

राजगढ़। उपसंचालक कृषि किसान कल्याण तथा कृषि विकास द्वारा कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा के संज्ञान में लाया गया है की वर्तमान में गेहूं की अधिकांशतः फसल कटाई कम्बाईन हारवेस्टर द्वारा की जाती है। कम्बाईन हारवेस्टर से कटाई उपरांत फसल की नरवाई में आग लगाने की घटनाओ में तेजी से वृद्धि हुई है। नरवाई जलाने के कारण वायु प्रदुषण एवं आगजनी की घटनाओ से आमजन के स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है। साथ ही खेत में आग के अनियंत्रित होने पर जनधन, संपत्ति, प्राकृतिक वनस्पति, जीव-जंतु आदि नष्ट हो जाते है। जिससे व्यापक नुकसान होता है एवं भूमि की उर्वराशक्ति कम होती है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी ने फसल काटने के उपरांत उसके अवशेषों पराली,नरवाई को जलाने से रोकने हेतु भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 में प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए सम्पूर्ण जिला राजगढ़ राजस्व सीमाक्षेत्र के लिए आदेश पारित किया हैं। जिसमें राजगढ़ जिला अंतर्गत फसल कटाई के पश्चात फसल अवशेषों को जलाना पूर्णतः प्रतिबंधित किया जाता है।

आंगनवाड़ी में अंतर्राष्ट्रीय महिला एवं बालिका विज्ञान दिवस का आयोजन

राजगढ़। अंतर्राष्ट्रीय महिला एवं बालिका विज्ञान दिवस के अवसर पर आंगनवाड़ी केंद्र विकासखंड जीरापुर में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं में विज्ञान के प्रति रुचि विकसित करना तथा स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम के दौरान बच्चों एवं किशोरी बालिकाओं को दैनिक जीवन में विज्ञान के महत्व को सरल उदाहरणों के माध्यम से समझाया गया। साथ ही व्यक्तिगत स्वच्छता, सही तरीके से हाथ धोने की विधि, स्वच्छ पेयजल के उपयोग तथा शौचालय के नियमित उपयोग के संबंध में जानकारी दी गई। किशोरी बालिकाओं को मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में जागरूक करते हुए सेनेटरी पैड के सुरक्षित उपयोग एवं उचित निपटान की जानकारी प्रदान की गई। स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के बीच संबंध को भी स्पष्ट किया गया। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा बालिकाओं को शिक्षा एवं विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया गया तथा अभिभावकों से बालिकाओं को समान अवसर प्रदान करने का आग्रह किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित प्रतिभागियों ने स्वच्छता अपनाने, स्वस्थ जीवनशैली बनाए रखने तथा बालिकाओं की शिक्षा एवं विज्ञान में सहभागिता को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

चामलेश्वर महादेव मंदिर परिसर में एक दिवसीय लगा मेला

खरसौदकलां । शिवरात्रि महोत्सव पर शिवालयों पर धार्मिक जयकारे के साथ भारी संख्या में शिवभक्तों ने पहुंचकर पूजा अर्चना की। महोत्सव पर नगर में फुलेश्वर महादेव मंदिर से झांकी निकाली जाएगी । झांकी के साथ में शिव की बारात में भूत प्रेत के अलावा शिव भक्तों का चल समारोह होगा। झांकी का कारवां शाम को मंदिर परिसर से धर्म ध्वजा के साथ रवाना होगा। सवारी में चलचित्र के साथ दूल्हे राजा के रूप में फूलेश्वर महादेव की झांकी भी शामिल रहेगी। शिव महोत्सव पर मंदिर परिसर में साज सज्जा के साथ शिवालय का श्रृंगार भी किया गया। इस दौरान प्रतिदिन विवाह की मंगल गीत के साथ हल्दी मेहंदी की रस्में भी अदा की गई। यहां तक की रविवार को मंदिर परिसर में नगर की महिलाओं ने शामिल होकर दूल्हा दुल्हन का रुप धारण कर शादी रचाई।

सूचना

मेरा नाम जीवन सिंह है पिता कचरू सिंह है निवासी - पौस्ट खेडाखजुरिया तहसील महिदपुर जिला उज्जैन (म.प्र) मेरा आर्मी नं 15186552 W है रैंक, हवलदार (जीवन सिंह) मेरे फौजी दस्तावेज में मेरे दोनो पुत्रों के नाम आयुष तथा पियुष अंकित है जबकि मेरे दोनों पुत्रों का सही नाम आयुष सिंह तथा पियुष सिंह होना चाहिए।

Notice

MY NAME IS JIVAN SINGH S/o KACHARU SINGH RESIDENT- POST - KHEDAKHAJURIA TH MAHIDPUR DST-UJJAIN PIN-456443 (M. P.) MY ARMY No. Is-15186552 W HAVILDAR JIVAN SINGH MY ARMY DOCUMENT IN MY BOTH CHILDREN NAME IS AYUSH AND PIYUSH MARK WHENEVR MY BOTH CHILDREN SHOULD BE RIGHT NAME IS AYUSH SINGH AND PIYUSH SINGH

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है मैं आदम कान्ट्रेक्टर (AADAM CONTRECTOR) अपना नाम बदल कर आदम कॉन्ट्रेक्टर (AADAM CONTRACTOR) के नाम से जाना जाऊँगा पिता का (ZULFIKAR CONTRACTOR) और माता का नाम शीरीन (SHIREEN CONTRACTOR) है।

आदम कान्ट्रेक्टर (AADAM CONTRACTOR)
241, कमरी मार्ग नजमी मोहल्ला, उज्जैन
उज्जैन नगर उज्जैन (म.प्र.) 456006

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पक्षकारा Aditya Birla Capital Limited के समक्ष श्रीमती सैयदद लियाकत नूर पति सैयदद सफर हुसेन निवासी 15, दुर्गदास गली तराना सैयदद साजमा पिता श्री सैयदद सफर हुसेन निवासी 79 भिशठी मोहल्ला सदर बजारा इन्दौर एवं सैययन शाजिफा खान पिता श्री सययद सफर हुसेन निवासी काजी चौक तराना द्वारा भवन जो कि व्यपर्वतीत भूमि सर्वे क्रमांक 697/2/1 रकबा 0.039 हेक्टर स्थित बाबू चैक वार्ड क्रमांक 12 तहसील तराना जिला उज्जैन (म.प्र.), जिसके पूर्व में- भूमि सर्वे क्रमांक 697/3, पश्चिम में- भूमि सर्वे क्रमांक 697/1/1, उत्तर में- भूमि सर्वे क्रमांक 694, एंव दक्षिण में - सडक है को बंधक कर ऋण सुविधा की मांग की गई है, उक्त भवन जिस भूमि पर स्थित है के मूल स्वामी श्री सैयदद सबदल हुसेन पिता श्री साबिद हुसेन थे उनकी मृत्यु के पश्चात उक्त संपत्ति के स्वामी एंव आधिपत्यधी श्रीमती सैयदद लियाकत नूर पति सैयदद सफर हुसेन, सैयदद साजमा पिता श्री सैयदद सफर हुसेन एंव सैययन शाजिफा खान पिता श्री सययद सफर हुसेन हुए यदि उक्त भवन को बंधक किये जाने के संबधं में किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक, निकाय, शासकीय अर्द्धशासकीय संस्था का या स्थानीय शासन का कोई ऋण भार, बोझ, हित, अधिकार, आधिपत्य, डिक्री या वारिसान आदि का कोई हक, हित या भार हो अथवा उक्त भूखण्ड के मूल दस्तावेज किसी व्यक्ति के पास बंधक हों तो वह मय प्रमाण के मुझसे इस जाहिर सूचना प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर सप्रमाण मुझे कार्यालयीन समय में लिखित में आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा बाद मियाद अवधि उक्त संपत्ति को मेरी पक्षकार एक्सिस बैंक लिमिटेड शाखा उज्जैन द्वारा बधंक कर लिया जावेगा। तत्पश्चात कोई आपत्ति मेरे पक्षकार के हितों पर बंधनकारक नही होगी। सो सूचित हो । दिनांकः-14.02.2026

विवेक गुप्ता एडवोकेट
11/1, घटकरपर मार्ग, फ्रीगंज, उज्जैन म.प्र.
मोबा. 9827228461

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने दिनेष भाटी पिता श्री हरिनारायण भाटी निवासी 111/3, सुभाष नगर,सांवेर रोड़ उज्जैन (म.प्र.) से उनके स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि सर्वे क्रमांक 271/2/1 रकबा 0.2700 हेक्टेयर, सर्वे क्रमांक 271/2/2 रकबा 0.5000 हेक्टेयर कुल किता 2 कुल रकबा 0.7700 हेक्टेयर ग्राम गौंसा प.ह.न. 0089 तहसील घट्टिया जिला उज्जैन (म.प्र.) में स्थित है को क्रय करने का सौदा किया होकर टोकन राशि अदा कर सौदा चिट्ठी का निष्पादन करवा लिया है तथा अनुबंध पत्र का सम्पादन करवाया जाना है और अनुबंध पत्र अनुसार शेष राशि अदाकर विक्रय पत्र का निष्पादन करवाया जाना शेष है। यदि उक्त भूमि में कोई अपना हित व हिस्सा रखता हो या उक्त भूमि पर किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक,अथवा सरकारी, साहूकारी या किसी विभाग या वित्तीय संस्था अथवा सोसायटी का कोई ऋण भार हो तो ऐसे संबंधित विभाग/व्यक्ति इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 7 (सात) दिवस की अवधि में मय प्रमाण सहित लिखित में आपत्ति मेरे समक्ष प्रस्तुत करें ताकि उसका निराकरण करवाया जा सके, अन्यथा सूचना प्रकाशन की अवधि व्यतीत होने के पश्चात मेरे पक्षकार द्वारा विधिवत अनुबंध पत्र निष्पादन के पश्चात विक्रय पत्र का निष्पादन करवा लिया जावेगा व कोई आपत्ति मान्य नही होगी।

इति दिनांकः- 13-02-2026 उज्जैन

श्रीमती नीलम अग्रवाल (एडवोकेट)
एम.ए.एल.एल.बी.
61, महाकाल सिंधी कॉलोनी उज्जैन
मोबा. 98264-44002

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार ने अनिल परिहार पिता श्री गेन्दालाल परिहार, निवासी-17, सुदामा नगर उज्जैन के स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि आराजी सर्वे नम्बर 210 (S) रकबा 1.5800 हेक्टेयर, सर्वे नम्बर 211/1 (S) रकबा 1.0000 हेक्टेयर, सर्वे नम्बर 212/1/1/1 (S) रकबा 1.3300 हेक्टेयर, सर्वे नम्बर 213 (S) रकबा 0.1800 हेक्टेयर कुल किता 04 कुल रकबा 4.0900 हेक्टेयर भूमि ग्राम सिंगावदा तहसील घट्टिया जिला उज्जैन का सौदा कर सौदा राशि अदा कर स्वयं के हित मे दस्तावेज सौदा चिट्ठी का निष्पादन करवा लिया हैं तथा जाहिर सुचना के प्रकाशन पर किसी भी प्रकार की आपत्ति नही आने की दशा में सोदा चिट्ठी के पालन मे बयाना राशि अदा कर विधिवत रूप से मेरे पक्षकार के हित मे दस्तावेज अनुबंध पत्र का निष्पादन किया जावेगा तथा निष्पादित अनुबंध पत्र की शर्त अनुसार निहित समयावधि में शेष राशि अदा कर दस्तावेज विक्रय पत्र (रजिस्ट्री) का निष्पादन मेरे पक्षकार के हित में या उसके द्वारा निर्देशित व्यक्ति के हित में किया जावेगा। यदि उक्त सम्पत्ति पर किसी भी बैंक का या उक्त सम्पत्ति पर किसी भी प्रकार का सरकारी, साहूकारी बैंक या किसी भी विभाग या वित्तिय संस्था अथवा सोसायटी का कोई ऋण भार बकाया हो या किसी का उक्त सम्पत्ति में कोई हक, हित, हिस्सा या अधिकार निहित हो तो ऐसे सम्बंधित व्यक्ति / विभाग इस जाहिर सूचना प्रकाशन से पन्द्रह दिवस की अवधि में मय प्रमाण सहित लिखित में आपत्ति कार्यालयीन समय में प्रस्तुत करें ताकि उसका निराकरण करवाया जा सके, अन्यथा सूचना प्रकाशन की अवधि व्यतीत होने के पश्चात मेरे पक्षकार द्वारा विधिवत रूप से विक्रय पत्र का निष्पादन करवा लिया जाएगा व कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। सुचित हो।

इति दिनांक-13.02.2026

योगेश शर्मा एडवोकेट
कार्यालय-डी एफ-9, भरतपुरी काम्पलेक्स देवास रोड, उज्जैन

नवाजिश अहिंगर का राज्य स्तर सितोलिया प्रतियोगिता में हुआ चयन

महिदपुर। महाविद्यालय के बी ए थर्ड ईयर के छात्र नवाजिश अहिंगर का उच्च शिक्षा के खेल प्रतियोगिता में जिला ,संभाग में अपना खेल प्रदर्शन कर अपना चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में महाविद्यालय और नगर का नाम रोशन करेगा ये प्रतियोगिता बैतूल में 15 फरवरी से आयोजित होगी इस प्रतियोगिता में उज्जैन के सभी जिले से 10 खिलाड़ियों का चयन हुआ है इसके लिए प्राचार्य डॉ आशा सक्सेना और वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ जाकिरुद्दीन अहिंगर ने बधाई दी है इस तैयारी में क्रीड़ा अधिकारी डॉ पुनीत गुप्ता का मार्गदर्शन और प्रशिक्षण से खिलाड़ी अपना करियर में नई ऊंचाइयां बना रहे है लगातार खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

संतोष कैथोलिक स्कूल में पूर्व छात्रा स्नेहा मालवीय का भव्य स्वागत

सुसनेर। संतोष कैथोलिक हाई स्कूल की पूर्व छात्रा स्नेहा मालवीय के उक्त्रऋ में चयनित होने पर विद्यालय परिवार द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर स्कूल परिसर में सम्मान समारोह आयोजित किया गया जहां स्नेहा का फूलमाला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर स्कूल मेनेजर रेवरेन्ट फादर शिबुश, प्रिंसिपल सिस्टर जोसना जोस, वाइस प्रिंसिपल सुनील जैन तथा पीआरओ महेश सर सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सभी ने स्नेहा की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए इसे विद्यालय के लिए गौरव का क्षण बताया। उल्लेखनीय है कि स्नेहा मालवीय ने कक्षा नर्सरी से लेकर कक्षा दसवीं तक की शिक्षा इसी विद्यालय से प्राप्त की है। उनकी इस उपलब्धि से विद्यालय के विद्यार्थियों में भी उत्साह का माहौल है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी शिक्षकों ने स्नेहा के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगी।

पीएम श्री स्कूल नवोदय विद्यालय द्वारा वॉटर कैंपर वितरित किए

सुसनेर। पीएम श्री योजना में सामुदायिक सहभागिता के अंतर्गत जिले के अलग-अलग ब्लॉक में आंगनवाड़ी, प्राथमिक माध्यमिक विद्यालय और सार्वजनिक स्थानों पर ठंडे जल की व्यवस्था के लिए पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय सुसनेर द्वारा वॉटर कैंपर प्रदान किए गए। विद्यालय के प्रधानाचार्य अखिलेश कुमार पाठक द्वारा जानकारी देते हुए बताया कि भारत सरकार द्वारा पीएम योजना में सामुदायिक सहभागिता और सद्भावना कार्यक्रम के अंतर्गत यह वॉटर कैंपर सार्वजनिक स्थान और विद्यालयों में प्रदान किया जा रहे हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षक डॉ. अंजना दुबे और अंजनी गौड़ उपस्थित रहे।

जल अर्पण दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रम आयोजित

राजगढ़। जिले की गोरखपुरा ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना अंतर्गत ग्राम पंचायत रोज्या में जल अर्पण दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। ग्रामीणों ने सतत एवं शुद्ध जल आपूर्ति की खुशी में अपने घरों के बाहर रंगोलियां सजाईं तथा नल कनेक्शन के समीप दीप प्रज्वलित कर जल दिवाली मनाई। शुक्रवार को जल अर्पण दिवस के उपलक्ष्य में विशाल रैली निकाली गई। रैली का शुभारंभ मिडिल स्कूल परिसर से ढोल-नगाड़ों के साथ हुआ। साथ ही इसमें बच्चे जल संरक्षण संबंधी नारों की तख्तियां लिए अग्रिम पंक्ति में चल रहे थे, उनके पीछे कन्याएं मंगल कलश लेकर शामिल हुईं। ग्रामीणजन, जनप्रतिनिधि एवं जल निगम के अधिकारी- कर्मचारी जल संरक्षण, जल बचाव और जल कर भुगतान के प्रति जागरूकता के नारे लगाते हुए सम्मिलित हुए। रैली पूरे ग्राम का भ्रमण कर ग्राम पंचायत परिसर में संपन्न हुई। इसके पश्चात मुख्य समारोह आयोजित हुआ। अतिथियों ने अपने संबोधन में योजना के सफल संचालन हेतु नलों में टोंटियां लगाए रखने, जल की बबार्दी रोकने तथा समय पर जल प्रभार राशि जमा करने का आह्वान किया। साथ ही आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आशा वर्कर को पानी की गुणवत्ता जांच के लिए फील्ड टेस्टिंग किट भी वितरित की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद सदस्य श्यामसिंह दांगी, विशिष्ट अतिथि के रूप में जल निगम महाप्रबंधक उमाकांत चौधरी एवं पूर्व सरपंच भारत सिंह वर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच जगदीश दांगी ने की।

जमीन रजिस्ट्री विवाद में खूनी अंजाम पति ने पत्नी की चाकू से ली जान....

जमीन नहीं बेचने की जिद में दुर्गाबाई की हत्या, पति ने ताबड़तोड़ किए चाकू से वार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सुसनेर

थाना क्षेत्र के ग्राम सालरिया में जमीन रजिस्ट्री को लेकर चल रहा पारिवारिक विवाद शुक्रवार को उस समय खूनी संघर्ष में बदल गया जब एक पति ने कथित रूप से अन्य परिजनों के उकसावे में आकर अपनी ही पत्नी पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए। गंभीर रूप से घायल महिला की उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। पुलिस ने पति सहित पांच लोगों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी भूपेन्द्र (19) निवासी ग्राम सालरिया ने थाना पहुंचकर मौखिक रिपोर्ट दर्ज कराई। रिपोर्ट में बताया गया कि उसके पिता रतनसिंह पिता रामलाल सोंधिया निवासी सालरिया, एवं बड़े पापा शंकरसिंह पिता रामलाल सोंधिया निवासी धतुरिया सोयतकला द्वारा सामलाती कृषि भूमि का सौदा कुछ माह पूर्व किया गया था। उक्त जमीन की रजिस्ट्री को लेकर परिवार में लंबे समय से विवाद चल रहा था। मृतका दुगार्बाई जमीन बेचने के पक्ष में नहीं थी और रजिस्ट्री करवाने का विरोध कर रही थी। रिपोर्ट के मुताबिक शुक्रवार सुबह लगभग 11 बजे शंकरसिंह पिता रामलाल सोंधिया निवासी धतुरिया, अर्जुनसिंह पिता रतन सिंह निवासी मैनपुर सुसनेर, तरवरसिंह पिता रतन सिंह निवासी मैनपुर सुसनेर एवं प्रतापसिंह पिता करणसिंह सोंधिया निवासी सालरिया घर पहुंचे और रजिस्ट्री कराने का दबाव बनाने लगे। इसी दौरान विवाद बढ़ गया।

आरोप है कि इन लोगों ने रतनसिंह को पत्नी को रास्ते से हटाने के लिए उकसाया। उकसावे में आकर रतनसिंह ने घर में रखे चाकू से दुगार्बाई पर कई वार कर दिए। बीच-बचाव करने पहुंचे पुत्र को भी आरोपी द्वारा धमकाया गया। हमले में गंभीर रूप से घायल दुगार्बाई लहूलुहान अवस्था में घर से बाहर निकलकर गली में गिर पड़ी।

परिजन और ग्रामीण तत्काल उन्हें सिविल अस्पताल सुसनेर लेकर पहुंचे जहां चिकित्सकों ने परीक्षण उपरांत उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही एसडीओपी देवनारायण यादव एवं थाना प्रभारी केसर राजपूत पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए तथा शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम कराया। पुलिस ने आरोपी पति सहित पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए विस्तृत जांच की जा रही है। आरोपियों की तलाश जारी है।

सारंगपुर कन्या शाला स्कूल में हुआ शीतल का स्वागत

हराना की बेटी शीतल नागर बनी सीमा की प्रहरी, बीएसएफ में चयन से सारंगपुर गौरवांवित

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सारंगपुर।

स्थानीय महालक्ष्मीबाई शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की पूर्व छात्रा एवं ग्राम हराना निवासी शीतल नागर का सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) में चयन होने पर पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। शीतल नागर के कन्या स्कूल से 12 वी तक कि शिक्षा प्राप्त की उसके बाद की तैयारी इंदौर से की विद्यालय परिसर में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में शिक्षकों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर छात्रा का सम्मान किया तथा उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। शीतल की इस उपलब्धि को क्षेत्र की बेटियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया गया।

ग्रामीण अंचल की साधारण पृष्ठभूमि से निकलकर देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले बल बीएसएफ तक पहुँचना किसी सपने के सच होने जैसा है। शीतल नागर की यह सफलता वर्षों की मेहनत, आत्मविश्वास और संघर्ष का परिणाम है। सीमित संसाधनों के बावजूद शीतल ने पढाई के साथ-साथ शारीरिक फिटनेस पर भी विशेष ध्यान दिया। सुबह-सुबह अभ्यास, नियमित दौड, अनुशासित दिनचर्या और शिक्षकों के मार्गदर्शन ने उसे इस मुकाम तक पहुँचाया। विद्यालय में आयोजित सम्मान समारोह के दौरान प्राचार्य एवं समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने शीतल को माला पहनाकर बधाई दी। शिक्षकों ने कहा कि शीतल ने यह साबित कर दिया है कि बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत सच्ची हो तो ग्रामीण परिवेश से निकलकर भी राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई जा सकती है। शीतल नागर ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, परिवार के सहयोग और विद्यालय के शिक्षकों को दिया। उसने कहा कि मेरे शिक्षक हमेशा मुझे आगे बढने के लिए प्रेरित करते रहे। कई बार कठिनाइयाँ आईं, लेकिन हार मानने के बजाय मैंने मेहनत जारी रखी। बीएसएफ में चयन मेरे लिए गर्व का क्षण है और मैं पूरी निष्ठा से देश सेवा करूँगी। विद्यालय प्रबंधन ने छात्राओं को शीतल के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान करते हुए कहा कि बेटियों को अवसर और सही मार्गदर्शन मिले तो वे परिवार, समाज और देश का नाम रोशन कर सकती हैं। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य दिनेश गुप्ता, शिक्षिका दीपाली सक्सेना, अनिता तिवारी, दीपक सोलंकी, दिपीका बंसल, गोकुल नागर, संजय नागर, सहित अन्य उपस्थित लोगों ने शीतल को शुभकामनाएं देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नवोदय विद्यालय में सिविल सेवा करियर सेमिनार आयोजित

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सुसनेर

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, सुसनेर में जीनियस एकडेमी इंदौर के तत्वावधान में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के लिए सिविल सेवाओं से संबंधित करियर सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में नवोदय विद्यालय समिति के पूर्व सहायक आयुक्त शास्त्री सुमन एवं जीनियस एकेडमी इंदौर के संस्थापक निदेशक पुष्पेंद्र सिंह सोमवंशी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। दोनों वक्ताओं ने सिविल सेवाओं के महत्व, समाज एवं राष्ट्र निर्माण में इसकी भूमिका पर प्रकाश डालते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं की संरचना, पाठ्यक्रम, चयन प्रक्रिया तथा तैयारी की प्रभावी रणनीतियों की विस्तृत जानकारी विद्यार्थियों को दी। उन्होंने विद्यार्थियों को सिविल सेवा प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग लेने के लिए लक्ष्य निर्धारण, समय प्रबंधन, निरंतर अध्ययन और अनुशासित तैयारी के लिए प्रेरित किया तथा अपने अनुभव साझा करते हुए मार्गदर्शन प्रदान किया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य अखिलेश कुमार पाठक ने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सिविल सेवा जैसे प्रतिष्ठित करियर को अपनाने हेतु प्रोत्साहित किया और ऐसे मार्गदर्शनात्मक कार्यक्रमों को विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में उपयोगी बताया। सेमिनार के अंत में विद्यार्थियों ने प्रश्नोत्तर सत्र में उत्साहपूर्वक भाग लिया और विशेषज्ञों से अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।

तीन दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित

भाटपचलाना। आर्यवीर कीड़ा ग्राउंड में मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमें 21-22 मार्च को राज्य स्त्री कबड्डी प्रतियोगिता एवं 20 मार्च को ग्रामीण कबड्डी प्रतियोगिता का निर्णय लिया गया जिसमें प्रथम पुरस्कार 31000 एवं ट्रॉफी द्वितीय पुरस्कार 21000 एवं ट्रॉफी तृतीय पुरस्कार 11000 एवं ट्रॉफी चतुर्थ पुरस्कार 5100 एवं ट्रॉफी एवं अनेक पुरस्कार दिया जाएगा ग्रामीण कबड्डी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 11000 एवं ट्रॉफी द्वितीय पुरस्कार 5100 एवं ट्रॉफी तृतीय पुरस्कार 3100 एवं ट्रॉफी चतुर्थ पुरस्कार 2100 एवं ट्रॉफी और अनेक पुरस्कार वितरण किए जाएंगे। यह जानकारी प्रकाश राठौड़ एवं आर्य वीर किला दल के अध्यक्ष दिनेश रजक ने दी।

1.25 करोड की लागत से बनने वाले रोड का भूमिपूजन संपन्न

महिदपुर। महिदपुर के वार्ड क्रमांक 13 में अयोध्या बस्ती से गणेश चौपाटी तक 1 करोड 25 लाख की लागत से बनने वाली सीमेंट कांक्रीट सडक का भुमिपुजन समारोह आयोजित हुआ। जिसमें जनप्रतिनिधियों ने गेती से भुमिपुजन करते हुए सीमेंट कांक्रीट रोड का शुभारंभ किया। वार्ड क्रमांक 13 के पार्षद जगदीश राठौर ने बताया कि पिछले कई वर्षो से अयोध्या बस्ती से गणेश चौपाटी तक सडक की हालत जर्जर थी। ऐसे में नगर पालिका में कायाकल्प योजना के अंतर्गत इस सडक को परिषद् द्वारा मंजुरी दी गई। जल्द ही सडक का निर्माण कार्य पुरा हो जाएगा। जिससे क्षैत्र के लोगों को आवागमन में सुविधाएं मिलेगी। भुमिपुजन के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष नानीबाई ओमप्रकाश माली, पार्षद उमा पांडे, आशा राठौर, गुलाम मोहम्मद नागौरी, निर्भयसिंह भाटी, पीयुष सकलेचा, जाहीद शाह, इकबाल नागौरी, रईस भाई, जाकिर मंसूरी, राकेश आंजना सहित इंजीनियर बंटी बाथम भी मौजूद रहे।

महाशिवरात्रि पर विशेष : संवत 1234 से अखण्ड श्रद्धा की ज्योति प्रज्जवलित

नीलकंठेश्वर महादेव की दिव्य छाया में जागृत होती श्रद्धा की महागाथा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सारंगपुर।

सारंगपुर शहर में 15 फरवरी को आ रही महाशिव रात्रि को लेकर उत्साह का माहोल है और शिव नगरी में जोर-शोर से इसकी तैयारियां चल रही है। दरअसल सारंगपुर की पुण्यधरा, जहाँ सहस्राब्दियों की संस्कृति और सभ्यता आज भी अपनी दिव्य सुगंध बिखेरती है, वहाँ महाशिवरात्रि का आगमन किसी पर्व नहीं, अपितु साक्षात शिवानुभूति का महासंयोग बन जाता है। जैसे ही फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी का शुभ प्रभात उदित होता है, वैसे ही पुराने बस स्टैंड स्थित श्री नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर की प्राचीन शिलाओं में नवचैतन्य का संचार होने लगता है। बारहवीं शताब्दी में शिवभक्त राजा सारंगदेव द्वारा स्थापित यह दिव्य शिवालय, शिलालेख में अंकित संवत 1234 से आज तक अखंड श्रद्धा की ज्योति प्रज्वलित किए हुए है। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर यह मंदिर भक्ति, वैराग्य, तप और साधना का विराट संगम बन जाता है। संपूर्ण मंदिर प्रांगण हर-हर महादेव और ओम नमः शिवाय के गगनभेदी घोष से गुंजायमान हो उठता है, मानो स्वयं कैलासपति अपनी करुणा-वृष्टि से नगर को अभिसिंचित कर रहे हों।

गर्भगृह में विराजमान स्वयंभू शिवलिंग, जिनके कंठ में धातुनिर्मित नागराज सुशोभित हैं, के समक्ष जब हजारों श्रद्धालु दीप, धूप, बिल्वपत्र, गंगाजल, पुष्प, धतूरा और नारियल अर्पित करते हैं, तब सम्पूर्ण वातावरण अलौकिक भाव-विभोरता से सराबोर हो उठता है। सभा मंडप में ध्यानस्थ नंदी महाराज, मानो भक्तों की आराधना को एकाग्र भाव से शिवचरणों तक पहुँचा रहे हों। महाशिवरात्रि की रात्रि जैसे-जैसे गहन होती जाती है, वैसे-वैसे भक्ति की लौ और प्रखर होती जाती है। महाशिवरात्रि महापर्व के अवसर पर संपन्ना होने वाला महाभिषेक, मंत्रोच्चार, रुद्राष्टाध्यायी पाठ एवं भजन-कीर्तन की स्वर-लहरियाँ, भक्तों को लौकिक जगत से उठाकर दिव्य चेतना के लोक में पहुँचा देती हैं। रंगीन विद्युत सज्जा से आलोकित मंदिर प्रांगण, स्वर्णिम आभा में नहाया हुआ प्रतीत होता है, मानो स्वयं शिव की जटाओं से गंगाधारा अवतरित होकर समस्त दिशाओं को पावन कर रही हो। कल्पवृक्ष स्वरूप विशाल पीपल, मंदिर परिसर की आध्यात्मिक गरिमा को और अधिक समृद्ध बनाता है। उसके सान्निाध्य में बैठकर जप, तप और ध्यान में लीन साधक आत्मिक शांति का अनुपम रसास्वादन करते हैं। श्रावण मास की भाँति महाशिवरात्रि पर भी यहाँ श्रद्धालुओं का अपार सैलाब उमड पडता है, जिनके नेत्रों में भक्ति की आर्द्रता और हृदय में शिवमय आनंद छलकता रहता है।

मान्यता है कि इस पावन रात्रि में नीलकंठेश्वर महादेव का पूजन-अभिषेक करने से जन्म-जन्मांतर के पाप नष्ट हो जाते हैं और जीवन मंगलमय बनता है। इसी अटूट विश्वास के साथ भक्तजन शिवचरणों में शीश नवाकर अपने सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हैं।

निःसंदेह, महाशिवरात्रि का यह पावन पर्व सारंगपुर की आत्मा का उत्सव है जहाँ इतिहास, आस्था और अध्यात्म एकाकार होकर शिवत्व की महागाथा का सृजन करते हैं। नीलकंठेश्वर महादेव की यह दिव्य स्थली सदा यूँ ही श्रद्धा, साधना और संस्कृति का अमर तीर्थ बनी रहे।

मुनि भगवंत ने महिदपुर से नागदा की ओर विहार किया

महिदपुर। प.पू. राष्ट्रसंत श्रीमद् विजय जयंतसेन सुरिश्वरजी म.सा. के पट्टधर प.पू. गच्छाधिपति श्रीमद् विजय नित्यसेन सूरिश्वरजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती प.पू. सतावधानी मुनिराज श्री प्रत्यक्षरत्न विजयजी म.सा. एवं सरलमना प.पू. मुनिराज श्री पवित्ररत्न विजयजी म.सा. का तीन दिवसीय अल्पप्रवास पर महिदपुर आगमन हुआ। आपश्री के प्रवचन प्रतिदिन राजेन्द्र सुरी उपाश्रय में हुए जिसमें बड़ी संख्या में श्रावक श्राविकाओं ने प्रवचन का लाभ लिया। मुनि भगवंत ने कहा कि दुख व सुख कर्मो के अधीन है जो भी घटित होता है वह पूर्व भव में किये गये कर्मो के कारण होता है। हमें मनुष्य जन्म मिला है उसे अच्छे कर्म कर मोक्षगामी बनाना चाहिये। मुनि भगवंत ने 13 फरवरी की शाम को नागदा की ओर विहार किया। समाजजनों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर मुनिश्री को विदाई दी व पुनः महिदपुर पधारने की विनती की। उक्त जानकारी त्रिस्तुति श्री संघ के नरेन्द्र धाड़ीवाल ने दी।

शांति समिति की बैठक में जिम्मेदार बोले शांतिपूर्वक मनायेंगे त्यौहार

महिदपुर रोड। नगर में आगामी दिनों में हिंदू तथा मुस्लिम समाज के धार्मिक पर्वों के आयोजन को लेकर शांति समिति की बैठक का आयोजन शुक्रवार की शाम को थाना परिसर में थाना प्रभारी राम सिंह भाभौर की अध्यक्षता में हुआ बैठक में विभिन्न समाजों के प्रमुखों सहित जनप्रतिनिधियों ने शामिल होकर हमेशा की तरह इस बार भी आगामी दिनों में आने वाले हिंदू तथा मुस्लिम समाज के त्यौहारों को शांतिपूर्वक तरीके से मनाया जाने की बात कही थाना प्रभारी ने शासन प्रशासन की गाइड लाइन के बारे में दोनों समाज के जिम्मेदारों को विस्तार से बताया बैठक में भाजपा मंडल अध्यक्ष गुरु चरण सिंह चौहान सरपंच ऋतु पाटीदार कैलाश शर्मा सुनिल राठौर (मोबाइल) सरदार कुरैशी शफी मंसूरी सहित दोनों मस्जि दों के इमाम नगर के सभी पत्रकार आसपास के गांवों के मंदिरों के पुजारी तथा होली रंग पंचमी महाशिवरात्रि आयो जन समितियां के प्रमुख उपस्थित रहे मुस्लिम समाज के सदस्यों ने बताया उनके पाक रमजान के महिने की शुरूआत 20 फरवरी से शुरू हो रही है 20 फरवरी को पहले रोजे से रमजान की शुरूआत होगी वहीं दूसरी और हिंदू समाज के लोगों ने महाशिव रात्रि होलिका दहन धुलें डी रंग पंचमी तथा गांवों के शिव मंदिरों में आयोजित होने वाली चूल आदि त्यौहारों के आयोजन के संबंध में थाना प्रभारी को जानकारी दी थाना प्रभारी ने सभी से आयो जन के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से बनाये रखने तथा असामाजिक कार्यों से अपने-अपने धर्म के लोगों को दूर रखने की बात शांति समिति के सदस्यों से कहीं बैठक में नगर के सभी विभागों के अधिकारी कर्मचारी भी मौजूद रहे ।

उन्नत कृषक सम्मेलन में 5 करोड़ के कृषि ऋ ण स्वीकृत

शुजालपुर। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की शुजालपुर शाखा द्वारा उन्नत कृषकों का सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें शुजालपुर, सीहोर एवं राजगढ़ जिले के किसानों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक संजीव कुमार, मुख्य प्रबंधक रूचि मालवीया तथा पूर्व क्षेत्रीय प्रबंधक चंदर परमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। सम्मेलन के दौरान किसानों को 5 करोड़ रुपए के कृषि ऋ ण स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। पत्रकारों से चर्चा में क्षेत्रीय प्रबंधक संजीव कुमार ने बताया कि पूरे रीजन में वर्तमान तिथि तक 50 करोड़ रुपए के कृषि ऋ ण वितरित किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने और आधुनिक कृषि को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से बैंक गांव-गांव पहुंचकर वित्तीय सहयोग उपलब्ध करा रहा है। शुजालपुर शाखा प्रबंधक हरीश साहू ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में क्षेत्रीय प्रबंधक संजीव सिंह ने कार्यक्रम स्थल पर वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित रहें। 402

ग्राम डूंगरिया में वीर तेजाजी मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन संपन्न

महिदपुर रोड। ग्राम डूंगरिया में महाकालेश्वर व वीर तेजाजी मंदिर में मूर्तियों की मूर्ति प्रतिष्ठा का कार्यक्रम कालेश्वर दरबार मंदिर निर्माण समिति एवं समस्त ग्रामवा सियों के सहयोग से यज्ञ पूणार्हुति तथा महा प्रसादी वित रण के साथ संपन्न हुआ इस अवसर पर सरस्वती शिशु मंदिर संचालन समिति तथा शिक्षक परिवार का सहयोग रहा महाप्रसादी तथा भंडारे के प्रारंभ में कन्या भोज कराया गया।

सामान्य ज्ञान

यहां बच्चों के लिए विभिन्न सामान्य ज्ञान के सवाल-जवाब बता रहे हैं। यहां देश, सेना, इतिहास और खेल से संबंधित विषय पर आधारित बातों के बारे में जानने को मिलेगा।

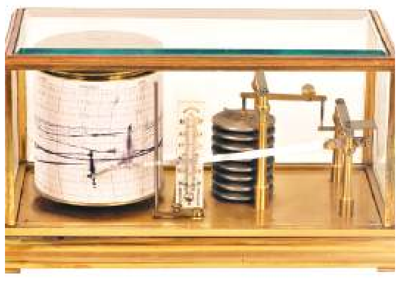

- वायुमंडलीय दबाव मापने के लिए किस उपकरण का उपयोग किया जाता है?
उत्तरः बैरोमीटर
- विश्व का सबसे बड़ा महाद्वीप कौन सा है?
उत्तरः एशिया
- विद्युत बल्ब का आविष्कारक कौन है?
उत्तरः थॉमस अल्वा एडिसन
- नोबेल पुरस्कार किसकी स्मृति में दिया जाता है?
उत्तरः अल्फ्रेड नोबेल
- अंतरिक्ष में जाने वाली पहली महिला कौन है?
उत्तरः वेलेंटीना टेरेश्कोवा
- एचसीएल क्या है?
उत्तरः हाइड्रोक्लोरिक एसिड
- चीन की मुद्रा क्या है?
उत्तरः रेनमिनबी
- किस जगह को दुनिया की छत के नाम से जाना जाता है?
उत्तर - तिब्बत
- हमारे वायुमंडल में सर्वाधिक मात्रा में कौनसी गैस पाई जाती है?
उत्तर - नाइट्रोजन (78.09%)
- जंगल का राजा कौन है?
उत्तर - शेर
- चिड़िया कहां रहती है?
उत्तर - घोसले में
- बकरी के कितने पैर होते हैं?
उत्तर - 4
- जल की रानी कौन है?
उत्तर - मछली
- हमें स्वाद किससे पता चलता है?
उत्तर - जीभ से

न्यू स्किल्स को सीखने में मदद करेंगे ये टिप्स एंड ट्रिक्स

जिन्दगी में हर व्यक्ति हमेशा आगे ही बढ़ना चाहता है और तरक्की के पथ पर हरदम अग्रसर होने का एकमात्र माध्यम है कि आप हमेशा कुछ ना कुछ नया सीखते रहें। न्यू स्किल्स आपको एक बेहतर इंसान बनाने में मदद करते हैं। साथ ही पर्सनली व प्रोफेशनली लेवल पर भी फायदा पहुंचाते हैं। हालांकि, ऐसे कई लोग होते हैं जो तरक्की तो पाना चाहते हैं, लेकिन न्यू स्किल्स को सीखने में उन्हें समस्या होती है, जिसके कारण वह या तो उसे शुरू ही नहीं करते या फिर बीच में छोड़ देते हैं।

इससे उन्हें काफी निराशा भी होती है, क्योंकि उनकी जिन्दगी हमेशा की तरह एक ही ढर्रे पर चलती रहती है। हो सकता है कि आप भी न्यू स्किल्स को सीखकर अपनी जिन्दगी में सफलता की नई उंचाईयों को छूना चाहते हों, लेकिन आपको इसमें समस्या हो रही हो। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जो आपको न्यू स्किल्स सीखने में आपकी मदद करेंगे-

चुनें सही स्किल

जब बात न्यू स्किल्स को सीखने की होती है तो आपके पास यकीनन पूरा आसमान है। ऑनलाइन से लेकर ऑफलाइन दुनिया में आपके पास न्यू स्किल्स को सीखने की कोई कमी नहीं है। हालांकि, यह देखने में आता है कि हम दूसरों की अचीवमेंट से इंप्रेस होकर उन्हीं स्किल्स को सीखना शुरू कर देते हैं। लेकिन हो सकता है कि वह फील्ड आपके लिए हो ही नहीं। इसलिए जब आप न्यू स्किल्स को सीख रहे हैं तो सबसे पहले अपनी हॉबीज पर फोकस करें या फिर अपनी प्रोफेशनल लाइफ से मिलते-जुलते किसी स्किल को सीखने का प्रयास करें। इसमें आपको सीखने में मजा भी आएगा और यह अपेक्षाकृत आसान भी होगा, क्योंकि आप पहले से ही इससे कहीं ना कहीं वाकिफ होंगे।

छोटे गोल्स बिग अचीवमेंट

अगर आप सच में न्यू स्किल्स को बेहतर तरीके से सीखनाचाहते हैं तो इसके लिए स्टेप बॉय स्टेप चलने का प्रयास करें, क्योंकि यह आपको मोटि-वेट करने में भी मदद करता है। जब आप न्यू स्किल्स सीख रहे हैं तो उसमें एकदम से एक्सपर्ट होने की कोशिश ना करें। बल्कि आप अपने लिए कुछ छोटे गोल्स सेट करें। जब गोल्स शुरूआत में छोटे होंगे तो उन्हें अचीव करना भी आसान होगा। इस तरह आप खुद को प्रोग्रेस करते देखेंगे और आपके मन में हमेशा एक उत्साह व सकारात्मकता बनी रहेगी।

समय नहीं बनेगा बाधा

अधिकतर जब लोग न्यू स्किल्स सीखना शुरू करते हैं तो वह उसे बीच में ही छोड़ देते हैं और उनका एक ही जवाब होता

है कि वह इतना समय ही नहीं निकाल पाते हैं। वास्तव में समस्या समय की कमी नहीं है, बल्कि उसे सही तरह से मैनेज करने की है। अगर आप सच में कुछ नया सीखना चाहते हैं तो सबसे पहले टाइम मैनेजमेंट करें। आप एक समय को सुनिश्चित करें, जिसे आप पूरी तरह से इसके लिए ही डेडीकेट करेंगे। याद रखें कि आपको अधिक समय देने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि अपने काम को लेकर रेग्युलर होने की जरूरत है।

खुद का करें आकलन

जब भी आप न्यू स्किल्स सीखते हैं और आपको उसे सीखने व समझने में कठिनाई होती है तो अधिकतर लोग झुंझलाकर उसे छोड़ देते हैं। लेकिन अगर आप उसे वास्तव में सीखना चाहते हैं तो खुद का आकलन करने की आदत भी डालें। मसलन, अगर आपको समस्या हो रही है तो यह समझने का प्रयास करें कि ऐसा क्या है, जिससे आपको कठिनाई हो रही है। जब आप ऑब्सटेकल्स के बारे में जान जाएंगे तो उन्हें दूर करने का तरीका भी मिल ही जाएगा। इसलिए समाधान से पहले समस्या को जानना आवश्यक है।

एक समय में एक ही स्किल

कई बार ऐसा भी होता है कि लोग एक ही समय में कई नई चीजें सीखना शुरू कर देते हैं। यह सुनने में भले ही काफी अट्रैक्टिव लगे, लेकिन वास्तव में समस्या की जड़ बन जाता है। दरअसल, हर नई चीज समय मांगती है। साथ ही साथ सिर्फ सीख लेने से कुछ नहीं होता, बल्कि आपको उसकी प्रैक्टिस भी करनी होती है। ऐसे में अगर आप कई स्किल्स को एक साथ सीखते हैं तो आप वास्तव में किसी भी स्किल को बेहतर तरीके से नहीं समझ व सीख पाते हैं। इसलिए, अगर आप खुद को किसी न्यू स्किल में निपुण बनाना चाहते हैं तो एक समय में केवल एक ही स्किल पर फोकस करें।

रंग भरकर चित्र बनाओ

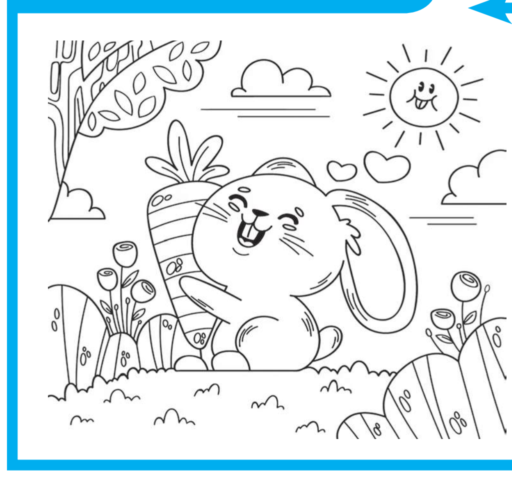

रास्ता खोजो

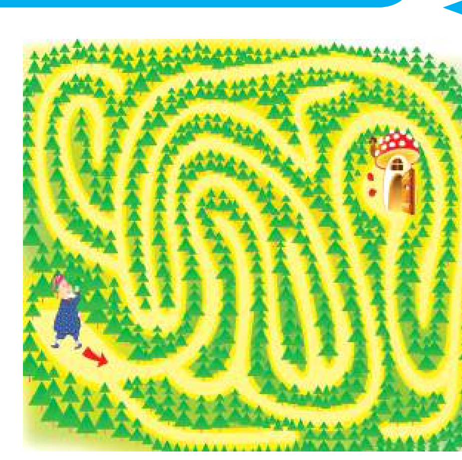

बिंदु जोड़कर चित्र बनाओ

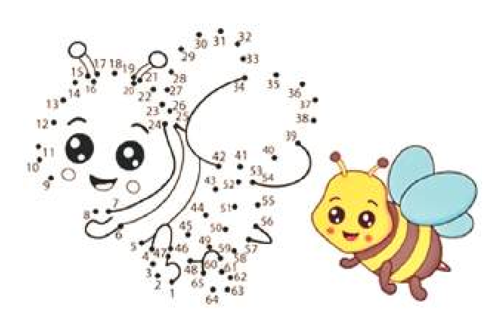

Sport

टी20 विश्वकप 2026 में बड़ा उलटफेर हुआ, जब जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को 23 रन से हरा दिया। कोलंबो के प्रेमदासा स्टेडियम में जिम्बाब्वे ने 169 रन बनाए, जवाब में ऑस्ट्रेलिया 146 पर सिमट गई। टी20 विश्वकप टूर्नामेंट में जिम्बाब्वे का कंगारुओं पर अजेय रिकॉर्ड कायम है।

बड़ा उलटफेरः जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को 23 रन से हराया, 170 चेज नहीं कर सके कंगारू

कोलंबो। टी20 विश्वकप 2026 का पहला बड़ा उलटफेर हो चुका है। जिम्बाब्वे ने इस संस्करण के 19वें मुकाबले में 2021 की टी20 विश्वकप चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 23 रन से हरा दिया है। यह मुकाबला कोलंबो के प्रेमदासा स्टेडियम में खेला गया। जिम्बाब्वे ने 20 ओवर में दो विकेट गंवाकर 169 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की पूरी पारी 19.3 ओवर में 146 रन पर सिमट गई। यह जिम्बाब्वे टीम की ऑस्ट्रेलिया पर टी20 में दूसरी जीत है। इससे पहले जिम्बाब्वे ने 2007 टी20 विश्वकप में ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराया था। दोनों के बीच अब तक चार बार आमना-सामना हुआ है। इसमें से दो बार ऑस्ट्रेलियाई टीम और दो बार जिम्बाब्वे की टीम जीती है। सिकंदर रजा की टीम का टी20 विश्वकप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 100 प्रतिशत जीत का रिकॉर्ड है। यानी अब तक कंगारू जिम्बाब्वे की टीम को इस टूर्नामेंट में हरा नहीं पाए हैं।

साथ ही ग्रुप-बी में भी सुपर-8 में पहुंचने की जंग दिलचस्प हो चली है। इस हार के साथ ऑस्ट्रेलिया पर सुपर-8 की दौड़ से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। उसे अब अपने सभी मैच जीतने होंगे। एक हार उनकी उम्मीदों पर पानी फेर सकता है। फिलहाल ग्रुप-बी में श्रीलंका दो मैचों में दो जीत और चार अंक लेकर शीर्ष पर हैं। वहीं, जिम्बाब्वे के भी दो मैचों के बाद चार अंक हैं। ऑस्ट्रेलिया के दो मैचों के बाद दो अंक हैं। टीम तीसरे स्थान पर है। आयरलैंड और ओमान का खाता नहीं खुला है और टीम क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर है। अब ऑस्ट्रेलिया को अगला मैच श्रीलंका से खेलना है और अगर हारे तो बाहर हो जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया को अब मनाना है कि जिम्बाब्वे या श्रीलंका एक-एक मैच हारे और कंगारू अपने बाकी सभी मैच बड़े अंतर से जीतें।

जिम्बाब्वे की पारी: 169/2 (20)

जिम्बाब्वे को पहला झटका आठवें ओवर में 61 के स्कोर पर लगा। मार्कस स्टोइनिस ने तादिवानाशे मरुमानी को जोश इंग्लिस के हाथों कैच कराया। उन्होंने 21 गेंद में सात चौके की मदद से 35 रन बनाए। जिम्बाब्वे को दूसरा झटका रेयान बर्ल के रूप में लगा। वह 16वें ओवर की आखिरी गेंद पर आउट हुए। बर्ल ने 30 गेंद में चार चौके की मदद से 35 रन बनाए। बर्ल को कैमरन ग्रीन ने पवेलियन भेजा। ब्रायन बेनेट 56 गेंद में सात चौके की मदद से 64 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, कप्तान सिकंदर रजा ने भी 13 गेंद में दो चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 25 रन बनाए। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 24 गेंद में नाबाद 38 रन की साझेदारी की।

ऑस्ट्रेलिया की पारी: 146/10 (19.3)

जोश इंग्लिस आठ रन बनाकर आउट हुए, जबकि कैमरन ग्रीन और टिम डेविड खाता नहीं खोल सके। ब्लेसिंग मुजरबानी ने इंग्लिस और डेविड को आउट किया।

वहीं, ब्रैड इवेंस ने ग्रीन को पवेलियन भेजा। कप्तान ट्रेविस हेड को ब्रैड इवेंस ने बोल्ड किया। वह 15 गेंद में तीन चौके की मदद से 17 रन बना सके। ऑस्ट्रेलिया ने 29 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे।

इसके बाद ग्लेन मैक्सवेल ने मैट रेनशॉ के साथ पांचवें विकेट के लिए 59 गेंद में 77 रन की साझेदारी निभाई। मैक्सवेल 32 गेंद में एक चौका और एक छक्के की मदद से 31 रन बना सके।

मैक्सवेल को बर्ल ने बोल्ड किया। इसके बाद मार्कस स्टोइनिस मसाकादजा का शिकार बने। वह चार गें में छह रन बना सके।

बेन ड्वारशुइस को ब्रैड इवांस ने कैच आउट कराया। बाउंड्री लाइन पर टोनी ने क्या गजब का कैच लपका। उन्होंने हवा में डाइव लगाकर कैच लपका। ड्वारशुइस छह रन बना सके।

इसके बाद मुजरबानी ने मैट रेनशॉ को बर्ल के हाथों कैच कराया। वह 44 गेंद में पांच चौके और एक छक्के की मदद से 65 रन बनाकर आउट हुए।

मुजरबानी ने इसके बाद एडम जैम्पा को क्लीन बोल्ड किया। वह दो रन बना सके। कुहनेमैन के रन आउट होते ही जिम्बाब्वे ने इतिहास रच दिया।

जिम्बाब्वे की ओर से मुजरबानी ने चार और इवांस ने तीन विकेट झटके। मसाकदजा और बर्ल को एक-एक विकेट मिला।

यूएई ने खोला जीत का खाता, आर्यंश-सोहेब के दम पर कनाडा को हराया

नई दिल्ली। सलामी बल्लेबाज आर्यंश शर्मा और सोहेब खान के अर्धशतकों की मदद से यूएई ने ग्रुप डी के मुकाबले में कनाडा को हराकर टी20 विश्व कप में जीत का खाता खोला। कनाडा ने हर्ष ठाकेर के अर्धशतक के दम पर 20 ओवर में सात विकेट पर 150 रन बनाए। जवाब में यूएई ने 19.4 ओवर में पांच विकेट पर 151 रन बनाकर मैच जीत लिया। यूएई की जीत में आर्यंश और सोहेब का योगदान अहम रहा।

अफगानिस्तान से आगे निकला यूएई

यूएई की जीत से ग्रुप डी की अंक तालिका में बड़ा फेरबदल हुआ है। यूएई की टीम अफगानिस्तान से आगे निकल गई है जिससे सुपर आठ चरण की दौड़ दिलचस्प हो गई है। यूएई की टीम तीसरे स्थान पर है, जबकि अफगानिस्तान की टीम चौथे स्थान पर खिसक गई है और उसके लिए अगले दौर में पहुंचना कठिन होता जा रहा है। ग्रुप डी में न्यूजीलैंड की टीम दोनों मैच जीतकर शीर्ष पर है, जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम दूसरे स्थान पर है।

लक्ष्य का पीछा करते हुए यूएई की पारी एक समय लड़खड़ा गई थी और उसके लिए स्कोर चेज कर पाना मुश्किल लग रहा था। यूएई ने 66 रन के स्कोर पर चार विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद आर्यंश और सोहेब के बीच पांचवें विकेट के लिए 42 गेंदों पर 84 रनों की साझेदारी हुई जिससे यूएई वापसी करने में सफल रहा। यूएई को आखिरी ओवर में जीत के लिए आठ रन चाहिए थे। पहली गेंद पर आर्यंश ने छक्का लगाया, जबकि दूसरी गेंद पर एक रन लिया। तीसरी गेंद पर सोहेब अपना विकेट गंवा बैठे। सोहेब 29 गेंदों पर चार चौकों और चार छक्कों की मदद से 51 रन बनाकर आउट हुए।

यूएई की टीम हालांकि, जीत दर्ज करने में सफल रही और आर्यंश नाबाद पवेलियन लौटे। आर्यंश ने 53 गेंदों पर छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 74 रन बनाए। आर्यंश और सोहेब के अलावा अलीशान शराफु ने पांच, हर्षित कौशिक ने पांच, मोहम्मद वसीम ने चार और मयंक कुमार ने चार रनों का योगदान दिया। कनाडा के लिए साद बिन जफर ने तीन विकेट झटके, जबकि कलीम सना और जसकरण सिंह को एक-एक विकेट मिला।

आईपीएल सीजन से पहले राजस्थान रॉयल्स को मिला नया कप्तान

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 सीजन से पहले राजस्थान रॉयल्स को नया कप्तान मिल गया है। राजस्थान फ्रेंचाइजी ने रियान पराग को टीम की जिम्मेदारी सौंपी है। रियान संजू सैमसन की जगह टीम की कमान संभालेंगे। सैमसन अब इस सीजन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए खेलेंगे। राजस्थान ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिये नए कप्तान की घोषणा की है।

कोर ग्रुप से चुना कप्तानः राजस्थान ने आईपीएल 2026 के लिए हुई मिनी नीलामी से पहले सैमसन को सीएसके में ट्रेड किया था और उनकी जगह सैम करन और रवींद्र जडेजा को टीम में शामिल किया था। राजस्थान के पास कप्तान के विकल्प के तौर पर जडेजा शामिल थे, लेकिन फ्रेंचाइजी ने कोर ग्रुप से ही कप्तान चुना। रियान पिछले कुछ वर्षों से लगातार राजस्थान का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और पिछले सीजन जब सैमसन चोट के कारण मैच नहीं खेल पा रहे थे तो रियान ने ही टीम की कमान संभाली थी।

पहले भी कप्तानी कर चुके हैं रियानः रियान ने इससे पहले भी टीम की कमान संभाली है। पिछले सीजन सैमसन आठ मैचों में नहीं खेल सके थे और उनकी अनुपस्थिति में रियान ने ही टीम की कमान संभाली थी। हालांकि, रियान का कप्तान के तौर पर प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था क्योंकि उनकी अगुआई में टीम ने आठ में से दो ही मुकाबले जीते थे।

कर्मचारी की आवश्यकता
क्षिप्रा ढाबे पर अनुभवी वेटर हेल्पर
किचन हैल्पर तंदूर वाला और सिक्युरिटी गार्ड की तुरंत आवश्यकता है
पता- हरिफाटक फ्लाईओवर ब्रिज इंदौर रोड उज्जैन, 761-0571808

तुरंत लोन
होम लोन, बिजनेस लोन, ट्रांसफर्म लोन, पर्सनल लोन, ऑफिस वर्क, फील्ड वर्क के लिए गर्ल्स वेतन 10500 रु.
पताः श्री फाइनेंस सर्विस, हार फूल की गली, फ्रीगंज, उज्जैन
मो. 9981248359

प्लाट बेचना है
गणेशपुरा, मक्सी रोड, संजोग गेस एजंसी के सामने 19'x55' और 15'x55' साइज के प्लाट बेचना है। प्रस्तावित फोरलेन से मात्र 100 फिट की दूरी पर। ब्रोकर बंधु कृपया क्षमा करे।
मो. 9131720147, 9424045696

आवश्यकता है
मार्केटिंग / सेल्समैन
वेतन 12000 से 15000 योग्यतानुसार
(समय प्रातः 7.30 से 6 बजे तक लन्च 1 से 2.30)
नोटः जरूरतमंद एवं अनुभवी की आवश्यकता
पेट्रोल खर्च अतिरिक्त दिया जाएगा
संपर्क
मो.9575477077

आवश्यकता है
कारखाने में (उज्जैन) पैकेजिंग कार्य हेतु महिलाओं एवं आदमियों की
संपर्क करें
9300405252

अवश्यकता है
पेन्ट बनाने वाले कारीगरों की व शर्ट व सफारी बनाने वाले कारीगरों की आवश्यकता है।
मेमोरियल टेलर्स शहीद पार्क फ्रीगंज (उज्जैन)
मो. 9425094114

आवश्यकता
होटल हिमालया ग्रीन
खाना खजाना मक्खन वाला रेस्टोरेन्ट
देवास रोड, उज्जैन (म.प्र.)
1- तवा रोटी बनाने वाले
2- वेटर
3- चायनीज एवं साऊथ इंडियन सेफ
10, ए विनय नगर देवास रोड, उज्जैन (म.प्र.)
मो. 9575279117

रद्दी बेचना है
अखबारी फ्रेश रद्दी, थोक रेट में टनों से 10-10 किलो के बंडल में बेचना है
संपर्क
7773077762

रेंट पर देना/आवश्यकता
1- उज्जैन मेन रोड चिमनगंज मंडी के सामने 2400 स्क्वे. फीट का शोरूम रेंट पर देना है। ऑफिस, बैंक के लिए
2- साड़ी शोरूम पर सेल्सगर्ल व सेल्समेन की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 20000 रुपए
संपर्क
9826398272

कर्मचारियों की आवश्यकता है
इंदौर में रियल स्टेट कंपनी के ऑफिस में महिला एवं पुरुष कर्मचारियों की आवश्यकता है। अनुभवी और फ्रेशर दोनों संपर्क करें, सेल्स एग्जीक्यूटिव एंड टेलीकॉलिंग
सुपर कॉरिडोर और विजयनगर इंदौर
मोबा. +91 89629 44070

वॉटर प्रुफिंग
करवाएं काफी कम रेट में
विजीट चार्ज 499/-
ईट का कॉवा वॉटर प्रूफिंग भी किया जाता है।
बदली के ड्रायवर की आवश्यकता हो तो संपर्क करें
9977140280

न्यूज कॉलम

थाना प्रभारी ने देर से पेश किया चालान ताकि आरोपी को जमानत मिल जाए

इंदौर। एफआईआर दर्ज करने के बाद चालान व गवाही के मामलों में पुलिस कितनी लापरवाह है, इसके दो मामले सामने आए हैं। ड्रग्स तस्करी के एक मामले में पलासिया थाना प्रभारी ने बिना किसी वजह के देरी से चालान पेश किया। इससे आरोपी को जमानत मिल गई। दूसरा मामला राऊ थाने का है। लूट की साजिश करने वालों को पकड़ने के लिए थाना प्रभारी सहित 20 लोगों की टीम गई थी। कोर्ट में गवाही हुई तो टीआई सहित छह पुलिसकर्मी नहीं बता सके कि आरोपी को किसने पकड़ा था। इसका फायदा भी आरोपी को मिला कोर्ट ने अफसरों के खिलाफ कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं। एनडीपीएस कोर्ट ने कहा कि निर्धारित 60 दिन की अवधि में आरोपपत्र पेश न करना कानून का सीधा उल्लंघन है। आरोपी शुभम बौरासी के पास से करीब 8.13 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई थी और उसे 6 दिसंबर 2025 से न्यायिक हिरासत में रखा गया था, लेकिन चालान 10 फरवरी 2026 को देरी से पेश किया गया। राऊ पुलिस को 30 मई 2016 को सूचना मिली कुछ आरोपी डकैती की योजना बना रहे हैं। तत्कालीन टीआई विजय सिंह सिसौदिया ने 20 लोगों की टीम दबिश के लिए भेजी और छह लोगों को गिरफ्तार किया। पांच को जमानत मिल गई, उसके बाद से वह फरार हैं। एक आरोपी बबलू के खिलाफ चालान पेश किया। कार्रवाई करने वाली टीम में 7 पुलिसकर्मियों को गवाह बनाया गया। अधिवक्ता महेंद्र मौर्य ने पुलिसकर्मियों का प्रतिपरीक्षण किया तो एक भी पुलिसकर्मी नहीं बता सका कि आरोपियों को किसने पकड़ा।

पीथमपुर में हादसा, दूल्हे को लेकर जा रही इनोवा कार टैंकर से टकराई

इंदौर। पीथमपुर के संजय जलाशय चौराहे पर शुक्रवार शाम एक सड़क हादसा हो गया। धामनोद से इंदौर जा रही दूल्हे की इनोवा कार ने नगर पालिका के पानी टैंकर को टक्कर मार दी, जिससे टैंकर पलट गया। गनीमत रही कि इस दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। यह घटना औद्योगिक नगर पीथमपुर के सेक्टर एक थाना क्षेत्र की संजय जलाशय चौकी अंतर्गत आगरा-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई। इनोवा कार ने चौराहा पार कर रहे पानी के टैंकर को जोरदार टक्कर मारी कि पानी का टैंकर सड़क के बीचों-बीच पलट गया, जिससे राजमार्ग पर लंबा जाम लग गया। सूचना मिलते ही संजय जलाशय चौकी की पुलिस टीम, जिसमें एएसआई अजय भदौरिया, प्रधान आरक्षक मुकेश गिरवाल, आरक्षक लोकेश भाबर और आरक्षक दिलीप शामिल थे, तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने आम लोगों की मदद से सड़क पर पलटे टैंकर को हटवाकर यातायात को सुचारु कराया। इनोवा कार में दूल्हा सवार था, जो बारात के साथ इंदौर जा रहा था। अच्छी बात यह रही कि कार में सवार किसी भी व्यक्ति को चोट नहीं आई।

इंदौर के द्वारकापुरी में एमबीए छात्रा हत्याकांड

1000 किमी दूर मिली आरोपी की लोकेशन

पुलिस टीमें रवाना, सोशल मीडिया पर डाले 11 आपत्तिजनक वीडियो

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर के द्वारकापुरी में 25 वर्षीय एमबीए छात्रा की हत्या के मामले में पुलिस मुख्य आरोपी पीयूष धमनोतिया की तलाश में जुटी हुई है। पुलिस को आरोपी की लोकेशन शहर से करीब 1 हजार किलो मीटर दूर एक पिकनिक स्पॉट पर मिली है, जहां वह मृतका का मोबाइल चालू कर इस्तेमाल कर रहा था। उसे पकड़ने के लिए इंदौर पुलिस की टीमें शुक्रवार देर शाम रवाना हो गई हैं।

जानकारी के अनुसार 10 फरवरी की रात हत्या के बाद आरोपी करीब 8 बजे अपने कमरे से निकलता दिखाई दिया। इसके बाद उसकी अलग-अलग जगहों पर लोकेशन ट्रेस हुई। बताया जा रहा है कि उसने उसी रात छात्रा की हत्या कर दी थी और बाद में युवती के मोबाइल का इस्तेमाल करता रहा।

आरोपी ने रात 11 बजे युवती के मोबाइल से उसकी बहन को मैसेज भेजा। जिसमें लिखा था- पापा से कहना अब वह घर नहीं लौटेगी। इसके बाद परिजनों ने उसकी सहेलियों को कॉल किए, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली।

आपत्तिजनक वीडियो वायरल किए- पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी ने दोनों के बीच के 11 आपत्तिजनक वीडियो कॉलेज ग्रुप में शेयर किए और बाद में युवती के वॉट्सऐप स्टेटस पर भी अपलोड कर दिए। इसके बाद मोबाइल में सेव सभी नंबरों पर वीडियो भेजे गए, जिससे रिश्तेदारों में हड़कंप मच गया। मामले की सूचना मिलने पर परिजन पंढरीनाथ थाना पहुंचे। पुलिस ने आरोपी के पिता से पूछताछ भी की और जांच जारी रखी।

आरोपी रिश्ते को आगे नहीं बढ़ाना चाहता था

घटना के बाद युवती की छोटी बहन की तबीयत बिगड़ गई और वह कई बार बेहोश हुई। परिजनों के मुताबिक युवती आरोपी के बारे में परिवार को बताने वाली थी, लेकिन उसने कहा था कि जब आरोपी का परिवार राजी होगा तब सब कुछ बताएगी। पुलिस के अनुसार आरोपी रिश्ते को आगे नहीं बढ़ाना चाहता था और इसी वजह से उसने वारदात को अंजाम दिया।

अमेजन को उपभोक्ता को रकम लौटाने का आदेश

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

जिला उपभोक्ता फोरम ने ऑनलाइन ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन के विरुद्ध एक महत्वपूर्ण आदेश पारित करते हुए उपभोक्ता के पक्ष में निर्णय दिया है। जागरूक उपभोक्ता समिति के अध्यक्ष मुकेश कुमार अमोलिया द्वारा परिवादी की ओर से प्रकरण प्रस्तुत किया गया। आयोग की सदस्य डॉ. निधि बारंगे ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि मामले में उपभोक्ता को सेवा में कमी का सामना करना पड़ा, जिसके लिए विपक्षी कंपनी उत्तरदायी है। फरियादी मयंक जैन निवासी वर्धमान नगर द्वारा दायर परिवाद के अनुसार अगस्त 2021 में उन्होंने अमेजान की वेबसाइट के माध्यम से दो परिधान डिजाइनर लहंगा-चोली ऑनलाइन ऑर्डर किए गए थे, जिनकी कुल कीमत 97,998 रु. थी। ये प्रॉडक्ट्स मिलने के बाद वे अपेक्षित गुणवत्ता और विवरण के अनुरूप नहीं पाए गए।

एसीआई का एएसक्यू सर्वे 2025

इंदौर एयरपोर्ट देश में तीसरे स्थान पर, स्कोर में हुआ इजाफा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

एयरपोर्ट्स काउंसिल इंटरनेशनल द्वारा जारी एयरपोर्ट सर्विस क्वालिटी सर्वे 2025 में इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देशभर के एयरपोर्ट अथोरिटी ऑफ इंडिया के अधीन एयरपोर्ट्स में तीसरा स्थान हासिल किया है। इंदौर एयरपोर्ट को इस वर्ष 4.92 अंक प्राप्त हुए, जो 2024 में मिले 4.82 अंकों से 0.10 अधिक हैं। एएआई द्वारा शुक्रवार देर रात जारी परिणामों के अनुसार यह रैंकिंग यात्रियों की प्रतिक्रिया और उनके अनुभव के आधार पर तैयार की गई है। सर्वे में सेवा गुणवत्ता, स्वच्छता, सुरक्षा व्यवस्था, स्टाफ का व्यवहार और समयबद्ध संचालन जैसे मापदंडों पर इंदौर एयरपोर्ट का प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली रहा। इसी वजह से इंदौर ने कई बड़े शहरों के एयरपोर्ट्स को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष तीन में जगह बनाई। सर्वे के मुताबिक पहले स्थान पर पुणे एयरपोर्ट और दूसरे स्थान पर गोवा एयरपोर्ट रहे, जबकि इंदौर तीसरे स्थान पर रहा। इंदौर का स्कोर न केवल एएआई के औसत से बेहतर रहा बल्कि वैश्विक औसत से भी काफी ऊपर दर्ज किया गया।

आवश्यकता
केयर इंटरप्राइजेस
(इलेक्ट्रॉनिक एंड फर्नीचर हाउस)
उज्जैन में प्रोडक्ट बेस्ड माइक्रोफाइनेंस (No cost EMI) में कार्य करने हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है:-
फील्ड स्टाफ:- लड़के/ लड़की,
पद:- 6 योग्यता :- 10वीं पास
सैलरी :- 13000 + इंसेंटिव+ पेट्रोल खर्च + मोबाइल खर्च
नोट- केवल फील्ड करने के इच्छुक व्यक्ति ही आमंत्रित हैं !
दुकान पर काम करने वाले लड़कों की आवश्यकता है
2 पद : सैलरी 9000/-
स्थान:- 33, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, पंचमपुरा, दो तालाब के पास, उज्जैन
इंटरव्यू में अपना रिज्यूम मय फोटो लाना अनिवार्य है।
इंटरव्यू दिनांक - 17/02/2026 मंगलवार, समय - 12 से 4 बजे
Mob. 6265895202 , 8224800652 , 9098281324

जय माता दी
उज्जैन में नाकोडा हिल्स कॉलोनी देवास रोड पर 20X60 पश्चिम दिशा का रजिस्ट्री करा हुआ पूर्ण वैध प्लाट खरीदने के लिए संपर्क करें।
संपर्क करें
मो. 6262369656

जय श्री महाकाल
ऑल कंस्ट्रक्शन वर्क के लिए एजेक्स फ्लोरी 2300 के.जी. किराये से 24 घंटे उपलब्ध है।
ए.के. सिंह मो. 7748813792
सिविल इंजीनियर की आवश्यकता है।
देवास रोड, आरके क्लब कॉलोनी, अभिलाषा के पीछे, उज्जैन

पुरुषों की शक्ति वर्धक दवाईयाँ मिलती है
(25 वर्षों से आपकी सेवा में)
भास्कर आयुर्वेदिक
32, बहादुरगंज, उज्जैन समय- सुबह 11 से 3 बजे तक शाम 6 से 9 बजे तक मो. 98263-71718

वीर हनुमान ज्योतिष दरबार
संकट मोचन के आशीर्वाद से हर काम होगा सफल
यहाँ हस्तरेखा जन्म पत्रिका देखकर जीवन के बारे में बताया जाता है
कारोबार में रुकावट | नौकरी में परेशानी | शादी में रुकावट
विदेश योग, पढ़ाई में रुकावट, पति-पत्नी में अनबन, संतान सुख, बनते-बनते काम बिगड़ना, ग्रह दोष, नज़र दोष, कालसर्प दोष घर में अशांति सभी कार्य विधि विधान से किया जाता है।
29 ए भवानीपुर कॉलोनी, गोल्डन स्कूल के पास अन्नपूर्णा रोड, इंदौर
सभी जगह से निराश एक बार अवश्य मिले
फिस - 200 रु/-
समय: सुबह 9:00 से शाम 6:00 तक
मो. 9724383998

कैलाश ॐ शिव शंकर यात्रा प्राइवेट लिमिटेड
7/1 परदेशीपुरा, मैन रोड, इंदौर
9302065100 - 9827072550 - 9589614200
एक धाम जगन्नाथपुरी, गंगासागर, कोलकाता यात्रा विवरण
यात्रा सुविधाएं
- दो समय भोजन, एक समय चाय नाश्ता
- टूर गाइड सुविधा
- आवास हेतु (Non AC) 4 बेड वाले रूम की सुविधा
- टेम्पो ट्रैवलर अथवा बस द्वारा भ्रमण
- आने जाने की स्लीपर ट्रेन टिकट
यात्रा प्रस्थान - 11, 25 मार्च 8,17,29 अप्रैल 2026
- प्रथम दिवस : इंदौर रेलवे स्टेशन से प्रस्थान पुरी हेतु दोपहर 3 बजे
- दूसरा दिन : पुरी आगमन, रात्रि विश्राम पुरी
- तीसरा दिन : समुद्र स्नान, जगन्नाथ मंदिर दर्शन सिंह द्वार एवं कोणार्क सूर्य मंदिर, भुवनेश्वर में लिंगराज मंदिर रात्रि विश्राम ट्रेन अथवा स्लीपर बस में
- चौथा दिन: कलकत्ता आगमन गंगासागर में सागर स्नान, कपिल मुनि मंदिर दर्शन रात्रि गंगासागर
- पांचवा दिन :कालीमाता मंदिर, विक्टोरिया मेमोरियल, हावड़ा ब्रिज
- छठा दिन :कलकत्ता से वापसी ट्रेन
इस यात्रा के अंत में जो यात्री नेपाल काठमांड बनारस यात्रा करना चाहेंगे उनके लिए 6000 रु प्रति सवारी अतिरिक्त
यात्रा शुल्क 15,500 प्रति सवारी
3 सी यात्रा (एसी होटल एवं गाड़ी सहित) किराया 22,500 रु प्रति सवारी

सीमेन्ट आर्टिकल के थोक एवं खेरची विक्रेता
ए.के. ट्रेडर्स
फ्रन्ट एलीवेशन, फैन फ्लावर, फ्लावर बार्डर, कालम कुम्भी, कवेलु ब्लाक, बिल्सी, राजधानी पैटर्न मेहराब खम्बे डिजाईन वाले, लालटेन, तोड़ी पे. आर.सी.सी. चेम्बर, ड्रेनेज लाईन एवं समस्त
ऑफिस : 220/5, नामदार, रवीदास धर्मशाला के सामने, उज्जैन (म.प्र.)
अखलाक हुसैन, मुस्तकिम हुसैन
मोबाइल 9827253852, 83192 9962, 7869555897

हस्तरेखाएं बोलती है कब? क्यों? कैसे?
जीवन की कठिन परेशानियों व्यापार नहीं चलना, विवाह या प्रेम विवाह में बाधा, कर्ज का बोझ, गृह कलेश, मानसिक अशांति व आर्थिक समस्याओं का सटीक हल प्राप्त करें। शुद्ध जन्म पत्रिका बनवाने व पत्रिका मिलान हेतु सम्पर्क करें।
पं. रुपेश रमेशचंद्र नाहर
(M.A. Astrologer)
प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य , भारतीय ज्योतिष विज्ञान संस्थान
नानाखेड़ा बस स्टेण्ड के पीछे, ए-5/8, महाकाल वाणिज्य केन्द्र, सांई पैलेस होटल के सामने, उज्जैन
नोट- फोन पर समय लेकर मिले। समय दोपहर 1 से 5 बजे तक
मोबाइल- 9827007312, 98277-33384
(web.www.jyotishdham.in)

अवसर अवसर अवसर
श्रेयस मार्केटिंग
उज्जैन के साथ करें शुभ शुरूआत
EXCITING CAREER OPPORTUNITY
PART TIME / FULL TIME
आवश्यकता है
अनुभवी युवा/प्रोफेशनल्स (12वीं पास से एमबीए तक)
शास. / अशासकीय कर्मचारी बिजनेसमैन
गृहिणी/कामकाजी बुजुर्ग/पेंशनर जो अपनी आय/बॉनस में वृद्धि चाहते है
ROLES
- Marketing Manager
- Merketing Executive
- Sales Executive
- Team Leader
- Telecaller
WALK - IN INTERVIEW
Call or drop message on WhatsApp for interview schedule
OFFICE : नवकार पैराडाइज, तरणताल के सामने, उज्जैन
संपर्क सूत्र 9673979711, 9179656511

स्थान परिवर्तन
नया स्थान : शॉप नं. 14 जगजीवन राम नगर, सोनी बिल्डिंग मटेरियल के पास, सोनी पेंट्स, एम.आई.जी. रोड, इंदौर
नवकार फार्मेसी मेडिकल शॉप
क्लिनिक : श्री गोपाल हड्डी रोग दवाखाना (हाड़ वैद्य) उज्जैन वाले
डॉ. एच.के. सिरोलिया
जोड़ एवं फ्रेक्चर हड्डी रोग विशेषज्ञ
मिलने का समय प्रति मंगलवार और शुक्रवार समय : दोप. 1 से शाम 5 बजे तक
Mob. 7000813235, 9669110800

खुश खबर खुश खबर खुश खबर
उज्जैन व्यापार मेला
आइये और पाइये वर्ष 2026 की सबसे बेहतरीन डील
आर.टी.ओ. टैक्स पर 50% की छूट
इसके अलावा और भी अन्य लाभ प्राप्त करने के लिए आज ही अपनी मारुती सुजुकी कार मॉडल तय कर बुक करे, मेले का लाभ वाहन उपलब्ध होने पर ही दिया जायेगा, तो आज ही अपना वाहन बुक करे और मेले का लाभ प्राप्त करे।
युग कार्स (मारुति शो-रूम)
नागझिरी देवास रोड, उज्जैन
मोबाइल: 7389901262, 9755510100, 9752530200
मारुति ऑउटलेट उज्जैन तहसील
नागदा : नागदा बाईपास जावरा रोड 9009140508
तराना : तोतला मार्ग 9589090827
बड़नगर : रुनिजा रोड 9993566820
महिदपुर : घोंसला रोड, नारायण सिंह सोलंकी 9109107176
खाचरौद : पटेल नगर बड़नगर रोड 9993566910
घट्टिया : जगोटी रोड के पास, आगर रोड 8959600100
इंगोरिया : उज्जैन - नागदा रोड, इंगोरिया 9340294804

बिना ऑपरेशन कान के मवाद से मुक्ति
कटे कान जुड़वाएं
किडनी की पथरी का अंत तुरंत
नि:शुल्क दवा प्राप्त करें
डॉ. पी.पी. ओझा
कर्ण रोग विशेषज्ञ
9425360006,9425107617
प्रति शनिवार को मिले
निकास चौराहा बुधवारिया, उज्जैन

उज्जैन में पहली बार मालवा का नया स्वाद
नया व्यंजन
दाल टिक्कड़
कोयले की आंच पर सीके हुए
पार्सल सुविधा उपलब्ध
होटल सांई दरबार
A PURE VEGETARIAN RESTAURANT
22, बख्तार मार्ग, होटल सांई पैलेस के पास, फ्रीगंज, उज्जैन
फोन नं. 0734-4061888 मो. 9009866000

स्वत्वाधिकारी अवंतिका प्रकाशन (भागीदारी फर्म) के लिए प्रकाशक, मुद्रक संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-5 द्वितीय तल विजयनगर मेन रोड इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : संदीप मेहता, फोन : 0731-4085777, मोबा. 9827771777 e-mail: awantikapressind@gmail.com